रविवार 16 नवंबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06 :44 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 27 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बिहार : बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की सुबह

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 17 | अंक : 030 | गाजियाबाद, रविवार 16 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

बिहार विस में धनकुबेरों का दबदबा 90 फीसदी विजयी प्रत्याशी करोड़पति

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद उम्मीदवारों की आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक प्रोफ़ाइल पर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस बार चुनकर आये 243 में से 90 प्रतिशत विजयी प्रत्याशी करोड़पति हैं, जिनकी औसत संपत्ति 9.02 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इससे स्पष्ट है कि बिहार की राजनीति में धनबल की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट बताती है कि अधिकांश दलों के उम्मीदवारों की संपत्ति करोड़ों में है। करोड़पति विजयी प्रत्याशियों की इतनी बड़ी संख्या यह दर्शाती है कि आर्थिक रूप से सशक्त उम्मीदवारों की चुनावी राजनीति में पकड़ मजबूत होती जा रही है।

उधर विजयी प्रत्याशियों की शैक्षिक योग्यता भी दिलचस्प तस्वीर पेश करती है। कुल विजयी प्रत्याशियों में से 35 प्रतिशत 5वीं से 12वीं तक शिक्षित हैं। स्नातक और उससे ऊपर की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले 60 प्रतिशत उम्मीदवार हैं। वहीं डिप्लोमा धारक विजयी प्रत्याशियों की संख्या पांच है और केवल साक्षर विजयी उम्मीदवारों की संख्या सात है।

यह आंकड़ा दर्शाता है कि उच्च शिक्षित उम्मीदवारों का दबदबा तो है, लेकिन सीमित शिक्षा वाले प्रत्याशी भी पर्याप्त संख्या में जीत दर्ज कर रहे हैं।

वहीं उम्मीदवारों की आयु सीमा के आधार पर विधानसभा की तस्वीर कुछ इस प्रकार है। 25 से 40 वर्ष आयुवर्ग के विजयी प्रत्याशियों की संख्या 38 (16 प्रतिशत) है। 41 से 60 वर्ष के बीच आयुवर्ग के कुल 143 (59 प्रतिशत) विजयी उम्मीदवार हैं और 61 से 80 वर्ष के बीच आयु वर्ग वाले विजयी प्रत्याशियों की संख्या 62 (26 प्रतिशत) है। आंकड़ों से जाहिर होता है कि बिहार विधानसभा में सबसे ज़्यादा प्रतिनिधित्व मध्यम आयु वर्ग के नेताओं का है, जबकि युवा नेतृत्व की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है। वहीं, 243 विजेताओं में से 12 प्रतिशत यानी 29 महिलायें इस बार विधानसभा पहुंची हैं। पिछली बार यह आंकड़ा 11 प्रतिशत था। हालांकि, इस बार महिला प्रतिनिधित्व में वृद्धि मामूली है, लेकिन महिलाओं की उपस्थिति में निरंतर वृद्धि उम्मीद की किरण दिखाती है।

चारबाग रेलवे स्टेशन के पास होटल में रुके थे शाहीन के मददगार

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

डॉ. शाहीन के चार मददगार दो महीने पहले लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में ठहरे थे। शाहीन इस होटल में इन लोगों से मिलने नहीं गई थी, लेकिन दूसरे दिन वह अपने भाई डॉ. परवेज और इन मददगारों के साथ कानपुर गई थी।

जम्मू-पुलिस कश्मीर पुलिस की इस सूचना पर एटीएस ने इस होटल के साथ ही नाका क्षेत्र के कुछ अन्य होटलों में भी पूछताछ की है। हालांकि, किसी होटल से अभी इन मददगारों का ब्योरा नहीं मिला है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक, मददगारों के नाम पूरी सही से तरह सामने नहीं आए है, जो नाम बताए जा रहे हैं उसमें किसी का नाम रजिस्टर पर नहीं मिला है। साथ ही जिस होटल में रुके होने की पुख्ता जानकारी दी गई थी, वहां दो महीने पहले का फुटेज भी उपलब्ध नहीं है। शाहीन और परवेज ने उनका हुलिया ही जम्मू-कश्मीर पुलिस को बताया है।

फोटो न होने की वजह से दिक्कत आ रही है। कोशिश की जा रही है कि परवेज और शाहीन के कॉल डिटेल से इन लोगों का नंबर मिल जाए अथवा किसी तरह से फोटो हासिल हो जाए। बयानों में विरोधाभास सूत्रों के मुताबिक, परवेज और शाहीन के बयानो में विरोधाभास भी मिला है।

जम्म-कश्मीर पुलिस ने दोनों से अलग-अलग पूछताछ की तो उनके बयानों में अंतर मिला, फिर जब सामने बैठाया गया तो कई सवालों के जवाब में दोनों लोग जांच एजेंसियों को उलझाते रहे।

मेडिकल कॉलेज सीट संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मेडिकल कॉलेज में सीट संबंधी एक याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को एक ऐसी व्यवस्था बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया जिससे भारत के मेडिकल कॉलेज में कोई भी स्नातकोत्तर सीट खाली न रहे। याचिका में आयोग को यह निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया कि वह यह आंकड़ा प्रश्तुत करे कि पिछले पांच साल में स्नातकोत्तर प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल शाखाओं में कितनी सीट खाली रहीं। इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने इस साल जनवरी में एक अन्य याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में सीट खाली नहीं रखी जा सकतीं।

आधार संबंधी निर्देश पहले से ही जारी : ईसीआई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत के चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया कि आधार को केवल पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा, न कि नागरिकता प्रमाण के रूप में। आयोग ने कहा कि नौ सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को यह निर्देश जारी किए गए। शीर्ष अदालत में दाखिल जवाब में, चुनाव आयोग ने कहा कि अदालत ने 8 सितंबर को मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए आधार के उपयोग को पहले ही स्पष्ट कर दिया था। इसमें कहा गया कि अदालत ने पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से आधार कार्ड का उपयोग करने को कहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि उपरोक्त आदेश का पालन करते हुए, आयोग ने 9 सितंबर, 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को बिहार की संशोधित मतदाता सूची में नाम शामिल करने या बाहर करने के लिए आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में नहीं, बल्कि पहचान के प्रमाण के रूप में उपयोग करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

वैज्ञानिकों ने छिपकली की नई प्रजाति गेको की खोज की

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷। देश की जैव-विविधता पर काम कर रहे जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) के वैज्ञानिकों ने आंध्र प्रदेश में गेको (छिपकली की एक प्रजाति) की नई खोज की है। तिरुमला पहाड़ी श्रृंखला में पूर्वी घाट का इलाका प्रकृति और जीव-जंतुओं के मामले में बहुत समृद्ध है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अभी तक इस क्षेत्र का पूरी तरह से शोध नहीं किया है। जेडएसआई की ओर से जारी बयान के अनुसार यह नई प्रजाति तिरुमला पहाड़ी श्रृंखला, शेषाचलम बायोस्फियर रिजर्व में पाई गई। इसको हेमीफिलोडैक्टाइलस वेंकटाद्री वैज्ञानिक नाम दिया गया है। नाम 'वेंकटाद्रि' तिरुमला की पवित्र वेंकटाद्रि पहाड़ियों के सम्मान में रखा गया है। 'वेंकटाद्रि' नाम संस्कृत के शब्द वैकुण्ठ/वेष्णु के नाम 'वेंकट' (पाप दूर करने वाला) और अद्रि (पहाड़) से मिलकर बना है।यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय जर्नल हर्पेटोजोआ में प्रकाशित हुआ है। इस रिसर्च को जेडएसआई के हैदराबाद स्थित फ्रेशवॉटर बायोलॉजी सेंटर, कोलकाता की रेपटाइल सेक्शन टीम और ओडिशा की फकीर मोहन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने किया था।

तमिलनाडु : श्रीलंका जा रहे विमान को तिरुचिरापल्ली में डायवर्ट किया

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷। श्रीलंका के जाफना जा रहे एक निजी एयरलाइन्स के विमान को खराब मौसम के कारण शनिवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि 44 यात्रियों को लेकर जा रहे विमान ने सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर उड़ान भरी और जाफना में खराब मौसम की सूचना पर विमान को तुरंत ही तिरुचिरापल्ली डायवर्ट कर दिया गया। विमान की तिरुचिरापल्ली में सुरक्षित लैंडिंग हो गई है।

अखिलेश का आरोप : चुनावों में भाजपा करती है सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की डबल इंजन सरकारों को हराया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ऐसी-ऐसी सीटें हारी है, जिसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। भाजपा बिहार की जीत को समाजवादी पार्टी की यूपी की जीत से बराबरी नहीं कर सकती है।

अखिलेश यादव ने शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर बेंगलूरू पहुंचे अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि भाजपा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव परिणाम अपने पक्ष में करती है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में भी सरकारी मशीनरी का बहुत दुरुपयोग किया है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में हार और जीत दोनों से सीख मिलती है। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी व बिहार के लोग सबसे ज्यादा दूसरे राज्यों में परिवार से दूर रहते है। भाजपा सरकार पलायन रोकने के लिए काम नहीं कर रही। दस हजार रुपये देकर वोट ले लिया। अब जैसे दूसरे राज्यों में नियम बनाकर पैसा देना रोक दिया था, वैसे बिहार में भी करेंगे।

मेडिकल कॉलेजों में खाली पीजी सीट का मामला, तंत्र बनाने की अपील पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ऐसी व्यवस्था बनाए, जिससे देश के मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर (पीजी) की प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल की कोई भी सीट खाली न रहे।

याचिका में यह भी कहा गया है कि आयोग पिछले पांच वर्षों में प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल पीजी शाखाओं में कितनी सीटें खाली रही हैं, उसका पूरा आंकड़ा भी पेश करे। इस याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन तथा जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच करेगी।

श्रीनगर के नौगाम थाना में विस्फोट नौ की मौत, 26 घायल

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷

जम्मू-कश्मी की ग्रीष्मकाली राजधानी श्रीनगर के नौगाम थाना में शुक्रवार देर रात हुए विस्फोट में एक पुलिस अधिकारी समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य लोग घायल हो गए।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यह दुर्घटना पुलिस और फोरेंसिक टीमों द्वारा हाल ही ज़ब्त किये गये विस्फोटकों के बड़े जखीरे में विस्फोट होने की वजह से घटित हुयी।

सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में कम से कम नौ लोग मारे गए, जिनमें ज़्यादातर पुलिसकर्मी थे और 26 अन्य घायल हो गए। पुलिस की ओर से अभी तक विस्फोट या हताहतों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार रात हुआ विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज़ लगभग 20 किलोमीटर दूर तक सुनी गयी। थाने की इमारत और उसके आसपास के कई वाहन आग की चपेट में आ गए। आधी रात से कुछ पहले कई एम्बुलेंस और दमकल गाड़ियाँ घटनास्थल पर पहुँचीं।

गौरतलब है कि नौगाम थाने की पुलिस ने पिछले महीने जैश-ए-मोहम्मद के धमकी भरे पोस्टरों से संबंधित एक मामला दर्ज किया था, जिसकी जाँच के बाद दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट मामले से जुड़े एक बड़े अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफ़ाश हुआ था। जांच के दौरान बरामद विस्फोटकों को थाने में रखा गया था। जैश के पोस्टरों के मामले की जांच अब जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष जांच एजेंसी कर रही है।

खरगे ने बिहार के प्रभारी को अपने आवास पर बुलाया

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान बिहार के चुनाव परिणाम और इसकी जांच के मुद्दे को लेकर गंभीर हो गया है और यही वजह है कि शनिवार सुबह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शाम को पार्टी के बिहार के प्रभारी को अपने आवास पर बुलाया है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री खरगे ने पार्टी के बिहार के प्रभारी कृष्णा अलावरू को शनिवार शाम को अपने आवास पर बुलाया है। बताया जा रहा है कि श्री खरगे इस दौरान श्री अलावरू से बिहार में चुनाव परिणामों को लेकर बात करेंगे और उन्हें इस बारे में गड़बड़ी से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कहेंगे। सूत्रों का कहना है कि बिहार चुनाव में 90 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ राजग के चुनाव जीतने को पार्टी आलाकमान ने बहुत गंभीरता से लिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जिस तरह के परिणाम सामने आयें है उससे साफ है कि जरूर कहीं मिली भगत हुई है। उनका कहना था कि इस बारे में सबूत जुटाए जाएंगे।

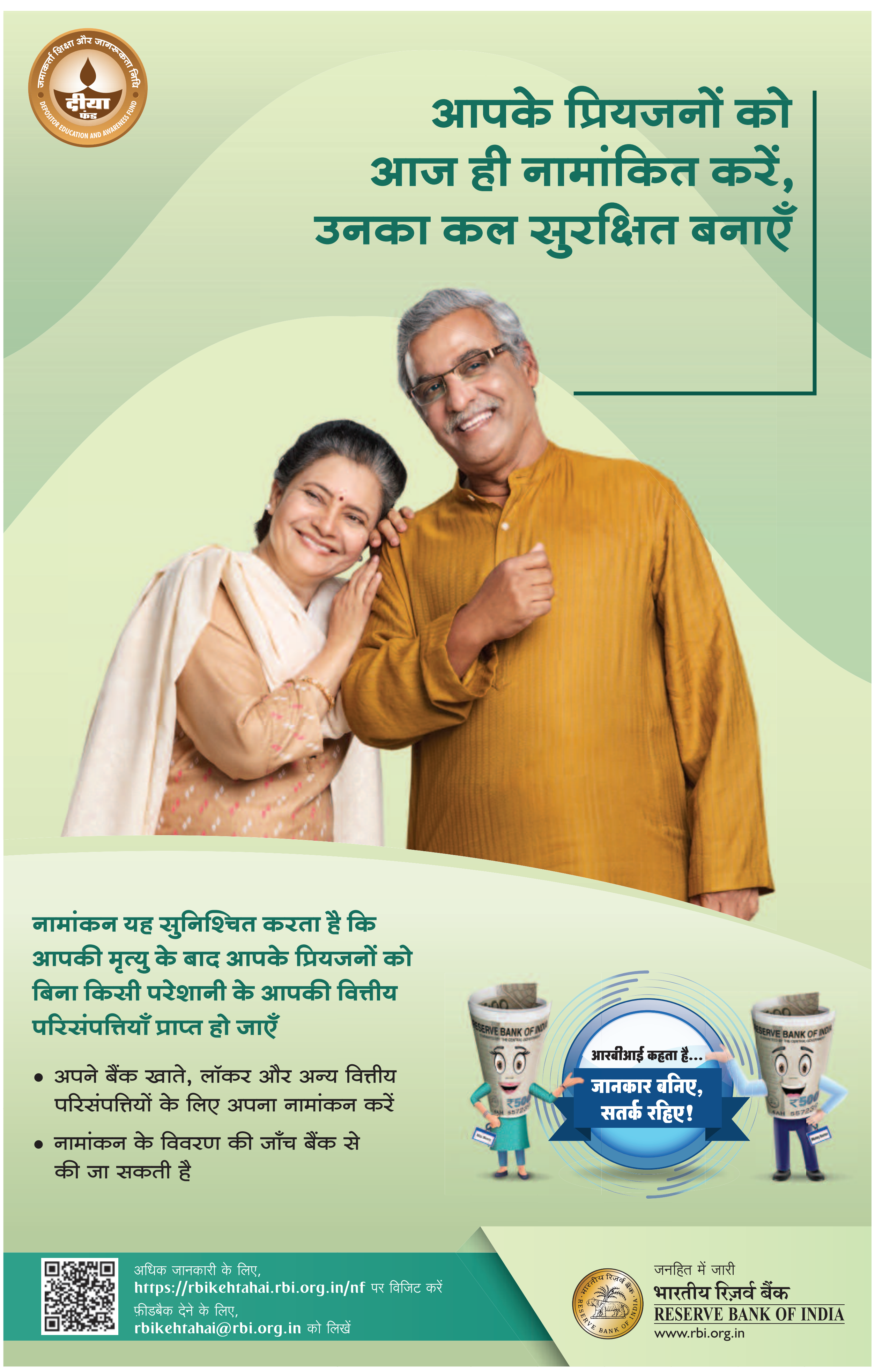

संक्षिप्त समाचार

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने नहीं लौटाई मां से उधार ली करोड़ों की पेंटिंग, अब कोर्ट ने दी मुकदमा चलाने को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग वाली शिकायत को खारिज कर दिया था। इस आदेश को रद्द करते हुए अदालत ने कहा कि उनके (जितेंद्र सिंह) खिलाफ आपराधिक विश्वासघात के अपराध के लिए केस चलाने वास्ते प्रथम दृष्टया आधार मौजूद हैं। यह मामला मकबूल फिदा हुसैन की करोड़ों रुपए की पेंटिंग से जुड़ा है, जिसे जितेंद्र सिंह ने अपनी मां से उधार लिया था, लेकिन उसे वापस नहीं लौटाया। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने शिकायतकर्ता की मां द्वारा सिंह को भेजे गए एक मैसेज से यह अनुमान लगा लिया कि पेंटिंग उपहार में दी गई थी। जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं था। शिकायतकर्ता रोहित सिंह महियारिया के अनुसार, सिंह ने अप्रैल 2014 में अपनी मां से 1 करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य की एमएफ हुसैन की एक पेंटिंग उधार ली थी, लेकिन उसे वापस नहीं किया। साल 2017 में, पूर्व मंत्री ने दावा किया कि वह पेंटिंग उनसे गुम हो गई है और वह उसे ढूंढ नहीं पा रहे हैं। दिल्ली की अदालत ने रद्द किया मजिस्ट्रेट कोर्ट का फैसला, कहा- पूर्व केंद्रीय मंत्री के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला चलाने के पर्याप्त सबूत इस मामले में 11 नवंबर को दिए अपने आदेश में अदालत ने कहा, रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि संबंधित पेंटिंग अप्रैल 2014 में प्रतिवादी 2 (भंवर जितेंद्र सिंह) को केवल एक सीमित उद्देश्य के लिए दी गई थी। जिसके अनुसार उन्हें यह पेंटिंग सिर्फ अपनी पत्नी को दिखाने और इसे खरीदने के बारे में विचार करने के लिए दी गई थी। यह पूरी गतिविधि सद्भावनापूर्वक और स्वामित्व के किसी भी हस्तांतरण के बिना की गई थी।

राजस्थान में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन महंगा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में आज से मकान, दुकान और अन्य कमर्शियल प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री पर अतिरिक्त खर्चा देना पड़ेगा। राज्य सरकार ने 6 साल बाद कंस्ट्रक्शन कॉस्ट (निर्माण लागत) में बड़ा इजाफा कर दिया है। हालांकि राहत की बात यह है कि स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन फीस और जमीन की डीएलसी दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। फिर भी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट बढ़ने से रजिस्ट्री के समय प्रॉपर्टी की न्यूनतम सरकारी वैल्यू अब पहले से अधिक मानी जाएगी। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, अब आरसीसी छत वाले भवनों की निर्माण लागत 1200 रुपए प्रति वर्गफुट से बढ़ाकर 1800 रुपए प्रति वर्गफुट कर दी गई है। यानी सीधे-सीधे 600 रुपए प्रति वर्गफुट का इजाफा, जिसका प्रभाव लाखों की प्रॉपर्टी पर हजारों से लेकर लाखों रुपए तक पड़ सकता है। विभाग की मानें तो इस बढ़ोतरी से आम खरीदार की जेब पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। शहरों और कस्बों में ज्यादातर फ्लैट, मकान और दुकानें बाजार मूल्य पर ही खरीदी जाती हैं, और ये मूल्य सरकार द्वारा तय न्यूनतम वैल्यू से अधिक होते हैं। ऐसे में खरीद-बिक्री प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। लेकिन जहां प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री सरकारी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट के आधार पर होती है, वहां नया रेट लागू होने से स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्री का खर्चा पहले से अधिक देना होगा। कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में यह बढ़ोतरी करीब 6 साल बाद की गई है। विभाग के अनुसार निर्माण सामग्री, श्रम लागत और बाजार भाव में तेजी से वृद्धि हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सीमेंट, स्टील, टाइल्स, इलेक्ट्रिकल—सबकी कीमतें काफी बढ़ी हैं, ऐसे में पुरानी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को बदलना आवश्यक माना गया। नई दरें लागू होने के साथ ही पूरे प्रदेश में आज से की जाने वाली रजिस्ट्री इसी नई कंस्ट्रक्शन कॉस्ट पर आधारित होगी। रियल एस्टेट सेक्टर के विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सरकार की राजस्व वृद्धि तो होगी, लेकिन डेवलपर्स और कमर्शियल प्रोजेक्ट निवेशकों पर बोझ बढ़ेगा। हालांकि, आम खरीदार को फिलहाल किसी भी प्रकार की अतिरिक्त स्टांप ड्यूटी या डीएलसी दरों का भार नहीं उठाना पड़ेगा, यह राहत की बात है।

नतीजे कुकृत्यों को छिपा नहीं सकते, बिहार चुनाव को लेकर एमके स्टालिन भड़के

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार को उनकी जीत के लिए शनिवार को बधाई दी। स्टालिन ने साथ ही निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि इस चुनाव के नतीजे उसके कुकृत्यों को छिपा नहीं सकते। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के युवा नेता तेजस्वी यादव की उनके अथक प्रचार अभियान के लिए सराहना की। सीएम स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'बिहार चुनाव परिणाम सभी के लिए एक सबक है। चुनाव नतीजे कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाए जाने, सामाजिक व वैचारिक गठबंधन, राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट पड़ने तक समर्पित प्रबंधन को दर्शाते हैं।'

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता अनुभवी हैं, जो संदेश को समझने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक योजना बनाने में सक्षम हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा, 'इस चुनाव के नतीजे निर्वाचन आयोग के कुकृत्यों और लापरवाह कार्यों को नहीं छिपा सकते। निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा अपने सबसे निचले स्तर पर है।'

एमके स्टालिन ने कहा कि देश के नागरिक ऐसे मजबूत और अधिक निष्पक्ष निर्वाचन आयोग के हकदार हैं, जिसके चुनाव संचालन से उन लोगों में भी विश्वास पैदा हो जिनकी जीत नहीं हुई। 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 243 सीटों में से 202 सीटें जीत लीं, जो राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय रच गया। जदयू के नेतृत्व वाले नीतीश कुमार ने अपनी 20 साल पुरानी सरकार को मजबूत आधार दिया, जबकि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। विपक्षी महागठबंधन को मात्र 35 सीटें मिलीं, जो उनकी उम्मीदों पर पानी फेर गई।

दीपांकर भट्टाचार्य ने चुनाव नतीजों को अस्वाभाविक और समझ से परे बताया

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में लेफ्ट पार्टियों को तगड़ा झटका लगा है। लेफ्ट पार्टियों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, सीपीआइ और सीपीआई शामिल हैं। इन सभी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। 2020 में इन्होंने कुल 16 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार कुल मिलाकर केवल 3 सीटें ही हासिल कीं। माले ने दीपांकर भट्टाचार्य की चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इसे अस्वाभाविक और समझ से परे बताया। उन्होंने कहा, 2010 जैसा फिर से हो गया है। यह वाकई समझना मुश्किल है। दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि 20 साल से सत्ता में ऐसी सरकार बैठी थी, जो पांच साल पहले बाल-बाल बची थी। मोदी सरकार खुद एक साल पहले अपने दम पर बहुमत नहीं ला सकी। डबल इंजन कैसे 2025 में ऐसा चमत्कार कर सकता है। उन्होंने कहा, यह बिहार की जमीन की हकीकत से बिल्कुल मेल नहीं खाता। लेकिन ऐसा हुआ तो है। इसलिए हमें सभी कोणों से जांच करनी होगी, सही जांच करनी होगी। धन हस्तांतरण भी अभूतपूर्व स्तर पर हुआ। लगभग 30 हजार करोड़ रुपये 3 करोड़ लाभार्थियों को नकद दिए गए। वह भी अभूतपूर्व था। हमें यह देखना होगा कि इसके क्या कारण हैं।

लोकतंत्र का संकट बताया

माले नेता ने कहा कि यह विपक्ष का संकट नहीं है। यह लोकतंत्र का संकट है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि विपक्ष के बिना लोकतंत्र एक ऑक्सीमोरॉन है। इसलिए मैं इसे लोकतंत्र का संकट मानता हूं। हमें देखना होगा कि यह क्यों हुआ। केवल विपक्ष के लिए क्यों? यह पूरे देश के लिए संकट है। वहीं, सीपीआई के महासचिव एमए बेबी ने कहा कि नतीजे काफी अप्रत्याशित हैं। विपक्षी गठबंधन को और अधिक एकजुट प्रयासों की जरूरत है। बेबी ने कहा, 'नतीजे काफी अप्रत्याशित हैं। हमारा आकलन था कि निर्वाचन आयोग के दुरुपयोग, बिहार में बेरोजगारी की स्थिति और लोकतांत्रिक शासन के अभाव पर हमने जो व्यापक अभियान चलाया था।

जलगांव की केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, 12 लोगों को बचाया गया

जलगांव, एजेंसी। महाराष्ट्र के जलगांव में एक कैमिकल फैक्ट्री मं भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री आग की लपटों में घिर गई। जलगांव नगर निगम की दमकल टीम और शहर के आसपास की 5 से 10 अन्य दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर पहुंची। आग बुझाने का प्रयास जारी है।

जिला कलेक्टर रोहन घुगे ने कहा कि एक केमिकल कंपनी में आग लग गई। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हम सरकार और नगर निगम प्रशासन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस इलाके में हर समय कम से कम दो दमकल गाड़ियां मौजूद रहें।

जानकारी के अनुसार, दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। लेकिन भारी मात्रा में ज्वलनशील केमिकल होने की वजह से आग को कंट्रोल करना मुश्किल हो रहा है।

सभी लोग सुरक्षित: फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेकिन आग से काफी नुकसान होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के आग में फंसे होने की जानकारी सामने नहीं आई है। आग लगने के दौरान इमारत के अंदर 12 लोग थे और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

इजरा स्ट्रीट पर कई मकानों और दुकानों में भीषण आग, मौके पर दमकल की 25 गाड़ियां

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भीषण आग लग गई है। यह आग इतनी भयानक है कि इसे बुझाने के लिए 25 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं, लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। यह घटना कोलकता के इजरा स्ट्रीट की है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल कर्मी पिछले कई घंटों से आग बुझाने की कोशिश में लगे हैं। आग एक इलेक्ट्रॉनिक वेयरहाउस में लगी है। हालांकि, आग लगने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। 26 इजरा स्ट्रीट में मौजूद कई दुकानें और घर इस आग की चपेट में आ चुके हैं। मध्य कोलकाता के इजरा स्ट्रीट में शनिवार तड़के एक बिजली के उपकरण की दुकान में भयावह आग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और इसकी लपटें आस-पास की दुकानों व इमारतों तक फैल गईं। आग ने कई मकानों व दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया है। सुबह से एक- एक कर दमकल की अब तक 25 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर भयावह आग को नियंत्रित करने की कोशिश में जुटी है। आग बुझाने में हाइड्रोलिक लैडर का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। भीड़भाड़ वाली इमारतों, संकरी गलियों और बड़ी संख्या में बिजली उपकरणों व ज्वलनशील पदार्थों के ढेर के कारण दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

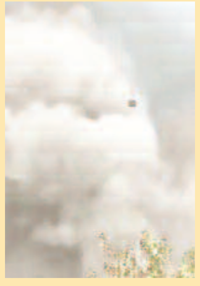

नाबालिग अपराधियों को भी मिल सकेगी अग्रिम जमानत...

कोलकाता हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

कोलकाता, एजेंसी। पुलिस ने अगर किसी को गिरफ्तार किया है और उसकी उम्र 18 साल से कम है, तो उसपर कितना भी संगीन आरोप क्यों न हो, वो व्यक्ति अग्रिम जमानत का हकदार होगा। यह फैसला हाल ही में कोलकाता हाईकोर्ट ने सुनाया है। कोलकाता हाईकोर्ट में 3 जजों की बेंच ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाते हुए कहा अभी तक सिर्फ वयस्कों को अग्रिम जमानत मिलती थी, लेकिन अब यह नियम नाबालिगों पर भी लागू होंगे।

कोलकाता हाईकोर्ट ने क्या कहा?: कोलकाता हाईकोर्ट में 3 जजों की बेंच जस्टिस जय सेनगुप्ता, जस्टिस तीर्थांकर घोष और जस्टिस बिवास पटनायक ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराध में शामिल नाबालिग भी अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर कर सकते हैं। इसी के साथ कोलकाता हाईकोर्ट ऐसा फैसला सुनाने वाली देश की पहली अदालत बन गई है।

अब तक क्या था नियम?: कानून के जानकारों का मानना है कि यह फैसला सराहनीय है। अभी तक नाबालिग अपराधियों को जूविनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया जाता था, जो यह तय करता था कि अरोपी को जमानत मिलेगी या नहीं। हालांकि, संगीन अपराध में शामिल आरोपी को अग्रिम जमानत देने का अधिकार बोर्ड के पास भी नहीं था।

2 जजों ने जताई सहमति: कोलकाता हाईकोर्ट में तीन में से 2 जजों ने इस फैसले का समर्थन किया है। जस्टिस सेनगुप्ता और जस्टिस घोष का कहना है कि नाबालिगों को अग्रिम जमानत देना सही है, लेकिन जस्टिस पटनायक ने इसका विरोध किया है। ऐसे में यह फैसला 2-1 से पास हुआ। अब कोई भी नाबालिग अपराधी अग्रिम जमानत के लिए अप्लाई कर सकता है।

बीएलओ ड्यूटी नहीं करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही को रोकने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने बीएलओ कार्य नहीं करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं करने की अपील की है। संगठन के पदाधिकारियों ने इस संबंध में शनिवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से शिक्षक समस्याओं से अवगत कराते हुए संगठन ने बताया है कि गाजियाबाद में बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ कार्य में लगायी गई है। इससे विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। जिले के अधिकांश शिक्षक बीएलओ कार्य निष्ठापूर्वक कर रहे हैं, परंतु कुछ शिक्षक अपने स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत समस्याओं के कारण बीएलओ ड्यूटी करने में असमर्थ हैं। ज्ञापन में ऐसे शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर की कार्यवाही को रोकने का अनुरोध किया गया है। संगठन ने अपील की है कि समस्याग्रश्त शिक्षकों से प्रत्यावेदन लेकर उन पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाए एवं उनके खिलाफ चल रही कार्यवाही को निरश्त कर दिया जाए।

26 शिक्षकों पर एफआईआर के हैं आदेशः बार-बार चेतावनी के बावजूद बीएलओ ड्यूटी नहीं करने वाले 26 शिक्षकों पर जिलाधिकारी ने एफआईआर के आदेश दिए थे। तीन बार नोटिस देने के बावजूद भी इन शिक्षकों ने बीएलओ ड्यूटी ज्वाइन नहीं की। अब इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

विधानसभा की अलग-अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं को सोसाइटी ने किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी नजीबाबाद के तत्वाधान में एक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिसमें नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के टॉपर्स, शिक्षा, चिकित्सा, मीडियाकर्मियों, समाजसेवी, अधिवक्ताता, जनप्रतिनिधि व्यक्तित्व को शॉल, फूल माला व प्रतीक चिन्ह देकर सोसाइटी के कार्यकताओं व पदाधिकारी ने सम्मानित किया। शुक्रवार की शाम नगर के हरिद्वार रोड स्थित इंद्रलोक होटल में पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी नजीबाबाद के तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में देश की प्रसिद्ध शायरात डॉक्टर अना देहलवी, निकहत अमरोही, शायर सज्जाद झंझट ने अपनी काव्य पाठ से वाहवाही लूटी।

कार्यक्रम में नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से आए हजारों की संख्या में शिरकत की। इस अवसर पर पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी नजीबाबाद के अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष

जमील अंसारी, महा सचिव नफीस अहमद कुरैशी एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वसीम मंसूरी एडवोकेट, महबूब अहमद एडवोकेट, शकील मंसूरी एडवोकेट, वसीम कुरैशी एडवोकेट, फैसल तैयब, मंसूर कुरैशी ठेकेदार, हाजी युनुस कुरैशी, हाजी मुश्तकीम कुरैशी, अनवार अहमद, डॉक्टर रिजवान अहमद, इरशाद अहमद, शाहनवाज आढ़ती, फैजान, तनवीर सिद्दीकी आदि लोगों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सनोवर अली कुरैशी एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. रमेश तोमर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रफी सैफी, यशपाल सिंह अध्यक्ष जिला बार संघ बिजनौर, एसके बबली एडवोकेट, निरंकार सिंह एडवोकेट, ठाकुर कुलदीप सिंह वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व चेयरमेन मोअज्जम खा, पूर्व चेयरमैन शमशाद अंसारी, प्रोफेसर के.सी मठपाल, प्रिंसिपल शबाना परवीन हाशमी, किसान यूनियन संग्राम के राष्ट्रीय अध्यक्ष राव मुशर्रफ व महामंत्री जावेद अंसारी, हाजी मोहम्मद फैसल, पूर्व चेयरमैन लियाकत अंसारी, हाजी शमीम कुरैशी, अखलाक पप्पू, संजीव महेश्वरी एडवोकेट, गुलफाम अंसारी एचएमएच हॉस्पिटल के एमडी, हाजी फुरकान एडवोकेट, गुल शिताब एडवोकेट, माजिद अंसारी सभासद, जैद अंसारी, जकी अंसारी, शहजाद अंसारी, कफील राईन, आरिफ मलिक, मास्टर इमरान, हलीम दानिश सहित नजीबाबाद विधानसभा से हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष जमील अंसारी व संचालन नफीस अहमद कुरैशी एडवोकेट ने किया।

राजस्थान को मिलेगा नया मुख्य सचिव, 1989 बैच के वी श्रीनिवास की ताजपोशी लगभग पक्की

केंद्र से मिली क्लियरेंस

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में नए मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर तेज़ी से प्रोसेस आगे बढ़ चुका है। 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वी श्रीनिवास का अगला मुख्य सचिव बनना लगभग निश्चित माना जा रहा है। उनके नाम पर राज्य सरकार ने एक दिन पहले ही औपचारिक मंजूरी देते हुए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। अब केंद्र सरकार ने उन्हें रिलीव करते हुए आदेश जारी कर दिए हैं। इसके बाद प्रदेश सरकार कभी भी औपचारिक आदेश जारी कर सकती है।

राजस्थान के वर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत 30 नवंबर को रिलीव हो रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक परंपरा के अनुसार नए मुख्य सचिव की नियुक्ति इससे पहले ही सुनिश्चित करनी होती है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने तेजी दिखाते हुए श्रीनिवास के नाम को केंद्र भेजा और उसी गति से केंद्र ने भी उनकी सेवाएं वापस राज्य को लौटा दीं।

राजस्थान में वर्तमान में 1988 बैच के एकमात्र आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल हैं, जो दिसंबर में रिटायर होने वाले हैं। इसके बाद 1989 बैच के वी श्रीनिवास प्रदेश के सबसे सीनियर अधिकारी बन जाएंगे।

अगर उन्हें मुख्य सचिव नियुक्त किया जाता है तो किसी वरिष्ठ अधिकारी को सचिवालय से बाहर भेजने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रशासनिक परंपरा के अनुसार मुख्य सचिव से ज्यादा सीनियर अफसर सचिवालय में नहीं रहते। वी श्रीनिवास ने गुरुवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इसी मुलाकात के बाद उन्हें केंद्र से रिलीव कराने के लिए राज्य सरकार ने औपचारिक प्रक्रिया तेज कर दी थी। अब केंद्र की मंजूरी के बाद उनकी नियुक्ति का रास्ता लगभग साफ हो गया है। वी श्रीनिवास सितंबर 2026 में रिटायर होंगे। मुख्य सचिव बनने की स्थिति में वे लगभग 10 महीने ही इस पद पर रहेंगे। हालांकि, केंद्र सरकार चाहें तो उन्हें छह-छह महीने के दो एक्सटेंशन भी दे सकती है। इससे पहले भी राजस्थान में कई मुख्य सचिवों को विस्तार मिलता रहा है। श्रीनिवास का कैरियर विविध भूमिकाओं और महत्वपूर्ण पदों से भरा रहा है। वे पूर्व विदेश मंत्री और वित्त मंत्री जसवंत सिंह के निजी सचिव रह चुके हैं। इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वॉशिंगटन में भारत के कार्यकारी निदेशक के तकनीकी सहायक भी रहे। केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर दिए हैं और राज्य सरकार की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। ऐसे में अब यह केवल समय की बात है कि कब मुख्यमंत्री कार्यालय उन्हें नया मुख्य सचिव नियुक्त करने का औपचारिक आदेश जारी करता है।

चौंकने की जरूरत नहीं... बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पर संजय राउत ने बताया महाराष्ट्र मॉडल

मुंबई, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। भाजपा और जेडीयू के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भारी बहुमत के साथ सत्ता में आता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसे में विपक्षी नेताओं ने एक बार फिर से निर्वाचन आयोग और वोट चोरी के मुद्दे को उठाना शुरू कर दिया है। शिवसेना नेता संजय राउत ने बिहार विधानसभा चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसकी तुलना महाराष्ट्र चुनाव से की। उन्होंने कहा कि बिहार के नेताओं को नतीजों से चौंकने की जरूरत नहीं है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर शिवसेना यूबीटी नेता ने बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों को लेकर चुनाव आयोग पर तंज कसा। उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग सत्ता में आने वाले होते हैं, वह इनकी मिलीभगत की वजह से 50 सीटों के भीतर ही सिमट जाते हैं।

नंबरों की नीलामी आज से शुरू होगी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। हल्के वाहनों की नई सीरीज यूपी 16एफएच के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की दूसरी बार की नीलामी रविवार से शुरू होगी। जिन लोगों ने नीलामी में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण कराया है वे परिवहन विभाग की वेबसाइट www.parivahan.gov.in पर नीलामी में हिस्सा ले सकते हैं। नीलामी के नतीजे जारी होने के बाद बचे आकर्षक और अति आकर्षक नंबर पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर वाहन मालिक बुक कर सकेंगे। इसमें जो नंबर व्यक्ति पहले बुक कर लेगा, उसके वाहन के लिए उसे आवंटित कर दिया जाएगा।

जिले में डेंगू के दो नए मरीज मिले

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। डेंगू के दो नए मरीजों की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को की। अब मरीजों की संख्या 653 हो गई है। मरीजों के घर और आसपास एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव कराया गया है। सितंबर और अक्टूबर के मुकाबले नवंबर महीने में मरीजों की संख्या कम हुई है। नवंबर के अंतिम हफ्ते से मरीजों की संख्या में काफी कमी आने की संभावना है। डेंगू के सबसे अधिक मरीज सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में मिलते हैं।

गाड़ी हटाने के विवाद में कार सवार युवकों ने टैक्सी चालक को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी के जारचा के रसूलपुर गांव में एक दुकान के सामने खड़ी टैक्सी नहीं हटाने पर विवाद हो गया। कार में सवार तीन लोगों ने टैक्सी चालक के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। रसूलपुर गांव में रहने वाले विनीत तोमर अपनी निजी कार टैक्सी में चलाते हैं। शुक्रवार की रात वह अपना काम कर टैक्सी से वापस अपने घर लौट रहे थे। गांव के समीप एक दुकान के सामने गाड़ी खड़ी कर मूंगफली खरीदने लगे। इसी बीच एक गाड़ी में सवार तीन लोग पीछे से आए और गाड़ी हटाने के लिए हॉर्न बजाने लगे। पीड़ित ने कहा की गाड़ी आगे खड़ी कर लो आगे काफी जगह है। इस बात पर इनके बीच विवाद हो गया। पीड़ित ने बताया कि तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान पीड़ित का मोबाइल कहीं गिर गया। पीड़ित ने शोर मचाया तो आरोपी जल्दबाजी में कार में बैठकर फरार हो गए। इस बीच जल्दबाजी में उनकी पिस्टल भी वहीं गिर गई। पीड़ित अपना फोन ढूंढने लगा तो उसे पिस्टल भी पड़ी मिली। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की और आरोपियों की पिस्टल भी पुलिस को सौंप दी। अब इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

घर पर सफाई करने आई महिला आभूषण लेकर फरार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के सेक्टर-12 स्थित एक घर में 10 दिन पूर्व सफाई करने आई महिला लाखों के आभूषण चोरी करके फरार हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-12 में रहने वाले गणेश चंद्र ने पुलिस को बताया कि पांच नवंबर को एक महिला उनके घर पर सफाई का काम मांगने के लिए आई। उसने अपना नाम रेखा बताया। उन्होंने महिला को काम की जानकारी दी और पहचान पत्र लाने के लिए कहा। अगले दिन छह नवंबर को परिवार के लोग पहली मंजिल पर थे। सुबह करीब 11 बजे से 11.30 बजे के बीच नीचे आए तो देखा अलमारी खुली हुई है। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि कीमती आभूषण चोरी हो गए। पीड़ित का कहना है कि महिला ने ही उनके घर से आभूषण चोरी किए हैं।

कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया, सड़क पर कूड़ा फेंकने और जलाने का आरोप में कार्रवाई

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-54 में सड़क पर कूड़ा फेंकने और जलाने के मामले में प्राधिकरण ने शनिवार को कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। बताया जा रहा है कि कंपनी किसी दूसरी जगह है, वहां से कूड़ा लाकर सेक्टर-54 में फेंका जा रहा था। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इंदु प्रकाश और गौरव बंसल के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को औद्योगिक क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सामने आया कि मास्टर प्लान रोड नंबर-2 पर सेक्टर-54 के सामने मैसर्स अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड के बैग्स में कूड़ा भरा हुआ था। इन बैग्स के आधार पर प्राधिकरण की टीम ने जांच की तो पता चला कि यह कंपनी सेक्टर-60 के बी ब्लॉक में है। कंपनी पहुंचने पर वहां पर नजर आया कि ग्रैप के नियमों का उल्लंघन कर सड़क पर ही कूड़ा डालकर उसको जलाया जा रहा था। ऐसे में कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

ई-रिक्शा से जा रहे दुकानदार का मोबाइल लूटा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने ई-रिक्शा से जा रहे दुकानदार को मोबाइल लूट लिया। बदमाशों ने उसे धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। थाने में दी शिकायत में सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले इकबाल आलम ने बताया कि 31 अक्टूबर को वह ई-रिक्शे से अपनी दुकान पर जा रहे थे। राश्ते में एक जगह जब रिक्शा धीमे हुआ, तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और मोबाइल झपट ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती को फोन कर परेशान करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। दादरी इलाके जारचा के एक गांव में रहने वाली युवती को फोन कर परेशान करने का मामला सामने आया है। युवती के भाई ने आरोपी युवक कपिल यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी उनकी बहन को फोन कर परेशान कर रहा है। सोशल मीडिया पर बदनाम करने और शादी तुड़वाने की धमकी दे रहा है। कस्बे में आते-जाते युवती को रोककर तंग कर रहा है। कोतवाली प्रभारी का कहना कि पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

मुख्य डाक घर में पीओएस मशीन से भुगतान सुविधा शुरू

नवयुग मार्केट स्थित मुख्य प्रधान डाकघर में कुछ माह पहले पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन मिली थी

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुख्य प्रधान डाकघर में लोगों को अब कई आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलने लगा है। इसके तहत ही डाक घर में पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन से अब भुगतान की सुविधा शुरू हो गई है।

इसके शुरू होने से भुगतान व्यवस्था अधिक सुविधाजनक हो गई है। नवयुग मार्केट स्थित मुख्य प्रधान डाकघर में रोजाना करीब 250 से अधिक लोग विभिन्न कार्यों से आते हैं। मुख्य प्रधान डाकघर में स्पीड पोस्ट, पार्सल, मनी ऑर्डर भेजने से लेकर विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं में खाता खुलवाने की सुविधा है।

इसके अतिरिक्त डाकघर में आधार कार्ड बनाने से लेकर आधार में संशोधन का भी कार्य किया जाता है। जिससे डाक घर अतिव्यश्त रहता है। कुछ माह पहले डाक घर में तीन पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन मंगाई गई थी।

ताकि लोगों को इसके माध्यम से भुगतान की सुविधा मिल सके। अब डाक घर में पीओएस मशीन से भुगतान की सुविधा शुरू कर दी गई है। इसके शुरू होने से लोग स्पीड पोस्ट, पार्सल आदि बुक करने के बाद

इस का भुगतान डेबिट, क्रेडिट कार्ड से भी कर सकते हैं।

इसके शुरू होने से भुगतान व्यवस्था अधिक सुविधाजनक हो गई है। मुख्य प्रधान डाकघर की सीनियर पोस्ट मास्टर चंचल ढाका ने बताया कि लोग अब डाक सेवाओं का भुगतान आधुनिक डिजिटल विकल्पों से भी कर सकते हैं। मशीन के माध्यम से लोग डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड से तुरंत भुगतान कर सकते हैं। इसे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि लोगों को भी काफी राहत मिलेगी। पहले जहां कई बार लंबी कतारों में खड़े होकर नकद भुगतान करना पड़ता था, वहीं अब कार्ड स्वाइप कर कुछ सेकंड में ही भुगतान पूरा कर सकेंगे।

अजय देवगन ने गाजियाबाद में नए मल्टीप्लेक्स के शुभारंभ के साथ देवगन सिनेक्स का विस्तार किया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

भारतीय सुपरस्टार अजय देवगन की मल्टीप्लेक्स श्रृंखला, देवगन सिनेक्स (जिसे पहले एनवाई सिनेमाज़ के नाम से जाना जाता था) ने गाजियाबाद में अपना नवीनतम अत्याधुनिक थिएटर लॉन्च किया है, जिससे ब्रांड के देशव्यापी विश्तार में और तेज़ी आई है। उद्घाटन का नेतृत्व देवगन सिनेक्स के सीईओ सतीश कोट्टाकोटा ने किया, जिससे पूरे भारत में बेहतरीन सिनेमाई अनुभव प्रदान करने के ब्रांड की प्रतिबद्धता और मज़बूत हुई।

अनसा सिटी सेंटर मॉल में रणनीतिक रूप से स्थित, गाजियाबाद स्थित यह संपत्ति अत्याधुनिक प्रोजेक्शन तकनीक, डॉल्बी एटमॉस साउंड, आलीशान रिक्लाइनर सीटिंग और एक परिष्कृत पेटू F&B मेनू के साथ एक प्रीमियम मनोरंजन वातावरण प्रदान करती है - जिसका उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर के दर्शकों को एक विश्वशतरीय फिल्म देखने का अनुभव प्रदान करना है।

विश्तार के बारे में बात करते हुए, देवगन सिनेक्स के संस्थापक, श्री अजय देवगन ने कहा कि 'देवगन सिनेक्स के साथ, हमारा मिशन हमेशा से भारत में सिनेमा के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करना रहा है—इसे सिर्फ़ फ़िल्म देखने से बदलकर एक गहन और भावनात्मक रूप से समृद्ध यात्रा बनाना।'

देवगन सिनेक्स के सीईओ, श्री सतीश कोट्टाकोटा ने आगे कहाः

'हमारा निरंतर विश्तार देवगन सिनेक्स ब्रांड की मज़बूती और भारत में थिएटर मनोरंजन के पुनरुत्थान को दर्शाता है। हर नई प्रॉपर्टी देश भर के दर्शकों को प्रीमियम, इनोवेटिव और सुलभ सिनेमा अनुभव प्रदान करने के हमारे वादे को पुष्ट करती है। हम इस वृद्धि को जारी रखने के लिए उत्साहित हैं और अगले दो वर्षों में 100 और स्क्रीन जोड़ेंगे।'

इस साल की शुरुआत में सफल रीब्रांडिंग के बाद, देवगन सिनेक्स प्रमुख बाज़ारों में लगातार विश्तार कर रहा है। ग़ाज़ियाबाद में लॉन्च पूरा होने के साथ, ब्रांड महाराष्ट्र के ठाणे स्थित हीरानंदानी द वॉक में अपने अगले मार्की उद्घाटन के लिए तैयारी कर रहा है।

नगीना पुलिस ने चोरी की गई ई रिक्शा सहित दो चोरों को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन बरेली व पुलिस अधीक्षक बिजनौर के द्वारा वारंटी उपयुक्त को गिरफ्तार हेतु चलाए जा रहा है।

अभियान में पुलिस के द्वारा ई-रिक्शा चोरी मामले में दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर उनकी निशान दही पर ई रिक्शा भी बरामद की गई। शुक्रवार कोअपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन बरेली वह पुलिस अधीक्षक बिजनौर के द्वारा वारंटी वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान में थाना नगीना पुलिस द्वारा दो वांछित अभियुक्तो आसिम पुत्र शकील अहमद 30 वर्ष निवासी मोहल्ला चिरंजी लाल कस्बा व थाना अफजलगढ़ बिजनौर C/O साबिर पुत्र अमीर हसन हाल निवासीC/O मुजम्मिल मेकपुर अड्डा कस्बा व थाना अफजलगढ़ बिजनौर तथा रईस अहमद पुत्र मुन्ने खाँ निवासी ग्राम मेकपुर थाना अफजलगढ़ जिला बिजनौर को संबंधित धारा 303 (2) / 123 बी. एन. एस. व धारा वृद्धि 317 /2 बीएस थाना नगीना बिजनौर में गिरफ्तार कर लिया गया।

उनकी निशान देही पर बरामद एक आदत ई रिक्शा के आधार पर धारा 370 (2) बी ०एस ० की वृद्धि की गई उप निरीक्षक गजेंद्र सिंह उज्वल कांस्टेबल गौर कुमार वकांस्टेबल आकाशदीप कांस्टेबल दीपक थाना नगीना ने अभियुक्त गण को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश कर वहां से न्यायिक हिरासत में बिजनौर जेल भेज दिया है।

तहसील समाधान दिवस में शिकायतों का तत्वरित निस्तारण करें : वान्या सिंह

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

अपर जिलाधिकारी वान्या सिंह ने अपने अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए हैं कि वे तहसील दिवस में आई शिकायतों का तत्काल निश्तारण करें। शिकायतों के निश्तारण में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगीना तहसील सभागार में ए डी एम वन्या सिंह व एसडीएम नितिन कुमार, की अध्यक्षता तथा नायब तहसीलदार अजब सिंह के संचालन में आयोजित समाधान दिवस को संबोधित करते हुए श्रीमती वान्या सिंह ने कहा कि तहसील समाधान दिवस में आई शिकायतों का निश्तारण तब तक नहीं माना जाएगा।

जब तक की शिकायतकर्ता को राहत न मिल जाए,। आज तहसील समाधान दिवस में 15 शिकायते दर्ज की गई।, एक शिकायत पत्र मे सुल्तान पुत्र साहिल निवासी मोहल्ला पहाड़ी दारवाजा थाना नगीना ने उप जिलाधिकारी नगीना को शिकायत पत्र में बताया की एक एजेंट आलम पुत्र खुरशीद निवासी सेयोहारा जिला बिजनोर जो विदेश भेजने का काम करता है।

उक्त एजेंट ने प्रार्थी से 150000 ऑनलाइन अपने खाते में डलवाये ।उसने प्रार्थी को दो अलग-अलग फर्जी विजा कुवेत की दिखाई। मैने भरोसा कर उक्त एजेंट के खाते में एक लाख 50000 ऑनलाइन पेमेंट करा दिये और प्रार्थी कुवेत चला गया। प्रार्थी को बताया था की बहुत अच्छी कंपनी है

जिसमें आप जाकर काम करोगे। लेकिन जब प्रार्थी कुवेत में गया तो वंहा पर प्रार्थी को घर में एक साफ सफाई का कम दिया गया।

प्रार्थी से जबरन खाना बनवाया गया काम ना करने पर प्रार्थी के साथ मारपीट भी की गई। प्रार्थी को वंहा पर बंधक बना कर रखा गया ।प्रार्थी ने अपने पिता से इंडिया में बात करी कुवैत मे मालिक ने बताया के तुम्हें इंडिया का 150000 रू हमें देना होगा। तब हम तुम्हें इंडिया वापस भेजेंगे।

प्रार्थी ने अपने रिश्तेदरों से कुवेत इखट्टा कर नकद 1 लख 5000दिये। तब प्रार्थी भारत लौटा लेकिन आकर जब एजेंट से प्रार्थी ने फोन पर बात की पैसे लौटाने से साफ मना कर दिया।कहा कि जो हो तुमसे कर लो। मैं ₹1 भी नहीं दूंगा फोन पर जान से मरने की धमकी दी।

आज मैं उक्त एजेंट के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना चाहता हूं। उधर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने माननीय मुख्यमंत्री के संबोधन में आज सूत्रीय मांग पत्र वन्य सिंह को सौंपते हुए समस्याओं के निश्तारण की मांग की है। तहसील समाधान दिवस में वरिष्ठ उपनिरीक्षक बढ़ापुर, उप निरीक्षक कोतवाली देहात, उप निरीक्षक नगीना देहात, उप निरीक्षक नगीना तथा कोतवाली देहात ब्लॉक सभी अधिकारी तहसील समाधान दिवस में मौजूद रहे। तहसील समाधान दिवस के बाद अपर जिलाधिकारी ने तहसील से संबंधित सभी अधीनस्थों की एक बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नाले का निर्माण करने वाली संस्था ने रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त की, रिपोर्ट दर्ज

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर थानाक्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे नाले के निर्माण से रेलवे की 1800 मीटर डबल सर्किट लाइन तथा डबल पोल क्षतिग्रश्त कर दिया है। इससे रेलवे को 50 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है।

इस मामले में अवर अभियंता ने निर्माण करने वाले सुपरवाइजर यश ठाकुर, कार्यदायी संस्था के मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार, अवर अभियंता मनोज शर्मा ने शिकायत देकर बताया है कि रेलवे की 33 केवी की अंडर ग्राउंड लाइन डबल सर्किट में 132केवी उपकेंद्र मुखर्जी पार्क से भूड भारत नगर (विजयनगर) रेलवे पावर हाउस तक है। ये लाइन लोहा मंडी औद्योगिक क्षेत्र में नाले के समीप सड़क के साथ साथ गुजर रही है।

11 नवंबर को निरीक्षण के दौरान पाया कि उक्त लाइन का केबल 900 मीटर (900/21800 मीटर डबल सर्किट) और एक डबल पोल क्षतिग्रश्त कर दिया गया है। स्थानीय पूछताछ में जानकारी मिली कि यूपीसीडा द्वारा नाले का निर्माण काया जा रहा है।

ये निर्माण दुर्गा इंजीनियरिंग (कार्यदायी संस्था) सुपरवाइजर यश ठाकुर कराया जा रहा है। उक्त कार्य से विभाग को करीब 50 लाख से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है। एसीपी का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

लूटपाट करने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में दबोचे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर पुलिस ने लूट और स्नेचिंग करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। इस दौरान पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया।

सीओ सूर्यबली मौर्य ने बताया कि पकड़े गए बदमाश 24 वर्षीय दिनेश उर्फ राहुल उर्फ मोनू और 27 वर्षीय पंकज हैं। दोनों दौलतपुरा के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को गोविंदपुरम टंकी के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया।

इस पर बाइक सवारों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान पुलिस की गोली से दिनेश उर्फ राहुल घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय संजय नगर भेजा गया है। जबकि उसके दूसरे साथी पंकज को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि इन बदमाशों के पकड़े जाने से क्षेत्र में हुई कई लूट और स्नेचिंग की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पूछताछ में राहुल ने बताया कि वह दिनेश के साथ मिलकर करीब छह दिन पूर्व संजयनगर अस्पताल यू टर्न के आगे एक महिला से चेन लूटी थी। वहीं, 16 दिन पहले गोविंदपुरम में एक व्यक्ति के गले से चेन छीनी थी। उसका एक टुकड़ा राह चलते व्यक्ति को कम दामों पर बेच दी थी।

वहीं, राह चलते लोगों से मोबाइल भी छीना है। इसके अलावा भी क्षेत्र में कई लूट और स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया है। शनिवार को भी लूट के इरादे से जा रहे थे।

शबाब तलाश करो अपने हार जाने का, किसी की जीत के रोने से कुछ नहीं होगा : सज्जाद सिद्दीकी

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

समाज सेवी सज्जाद सिद्दीकी ने प्रेस को जारी अपने बयान में कहा हाल ही में हुए बिहार विधान सभा चुनाव में विपक्ष की पार्टियों को मिली करारी हार।सज्जाद ने कहा अपनी हार के जिम्मेदार खुद विपक्षी पार्टी के नेता है।

एक तरफ नेता प्रति पक्ष राहुल गांधी और सहयोगी दल के नेता पूरे देश में वोट चोरी के मुद्दे को हाइलाइट किया ।लेकिन दूसरी तरफ चुनाव भी बराबर लड़ते रहे चुनाव का बाय कार्ड नहीं किया। कहीं ना कहीं इस बात से ऐसा लगता है जैसे विपक्ष के तमाम नेता सिर्फ जनता का बेवकूफ बनाकर आपस में जनता को ही लड़वाना चाहते हैं।जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी और तमाम दूसरी विपक्ष की पार्टियों को और उनके नेताओं को इस बात की जानकारी है।

मजबूत सबूत हैं की वोट चोरी हो रहा है बीजेपी और इलेक्शन कमिशान धांधली से बीजेपी को प्रेजेंट बहुमत दिला रहे हैं। पूरे देश में विपक्ष के तमाम नेता सोते क्यों रहते हैं। उनको एक जुट होकर सड़कों पर आना चाहिए और इलेक्शन का बाय कार्ड करना चाहिए।

ईवीएम को बैन करना चाहिए। सज्जाद ने कहां जिस तरह बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को बीजेपी और उनके सहयोगी दलों पर खुलकर बोलना चाहिए था। लेकिन तेजस्वी यादव ने असदुद्दीन ओवैसी पर गलत टिप्पणी करके अपने इलेक्शन को तो खराब किया।

लेकिन मुस्लिमों के दिल को ठेस पहुंचागए जिस तरह तेजस्वी यादव ओवैसी पर हमलावर रहे कहीं ना कहीं इस हरकत की वजह से बिहार का इलेक्शन हिंदू मुस्लिम में बैट कर उनके खुद के करियर को खराब कर गया।

उन्हीं की करनी कांग्रेस को भी लेट डूबी केंद्र के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अगर दिमाग से काम लेते तो शायद नतीजा कुछ और होता। सबसे बड़ी गलती तो यही कि छोटे-मोटे दलों को गठबंधन में शामिल नहीं किया।

सज्जाद ने कहा जो लोग ओवैसी को बीजेपी की बी टीम बोलते हैं कहीं ना कहीं ऐसा लगता है कि बीजेपी की बी टीम खुद बनाकर वह काम करते हैं। जिस तरह बिहार में लालू प्रसाद यादव के दोनों बेटे तेजस्वी और तेज प्रताप अलग-अलग चुनाव लड़े और तमाम छोटी पार्टियों के नेताओं ने भी अलग चुनाव लड़ा।

इसको देखकर ऐसा लगा जैसे यह सब बीजेपी की मदद कर रहे थे। यह तो हम मानते हैं चुनाव आयोग बीजेपी सरकार के दबाव में कहीं ना कहीं मशीनों को हैक करके इतनी प्रेजेंट बहुमत उनको देता है। देश की गोदी दलाल मीडिया जो कहती है सो पूरा होता है और सच होता है ।दलाल मीडिया का आंकड़ा बिल्कुल सटीक बैठता है। कहीं ना कहीं यह सब लोग मिले हुए हैं ।बीजेपी के इशारे पर ही दलाल मीडिया अपने आंकड़े सर्वो के रूप में जारी करते हैं।

शायद इनको याद नहीं सत्ता बदलती रहती है जब सत्ता परिवर्तन होगा तो दलाल मीडिया की खैर नहीं है। बिहार में बीजेपी ने SIR करा के लाखो वोट कटवाया जिससे वह हर सकते थे बीजेपी बहुत दिमाग से कम लेती है यही रीजन है जो वह कहते हैं वह पूरा होता है।

विपक्ष की पार्टियों को एकजुट होकर अपनी कमी को दूर करना चाहिए और जब तक धांधली बंद ना हो चुनाव का बाय कोर्ट करना चाहिए। सज्जाद ने कहां बिहार चुनाव से अखिलेश यादव को सीखना चाहिए अगर यूपी विधानसभा चुनाव में दिमाग का इश्तेमाल नहीं किया बिहार से भी बुरा नतीजा यूपी का आएगा।

इसलिए सपा कांग्रेस आपस में मिलकर सीटों का बंटवारा करे और सभी छोटी पार्टियों को साथ लेके चुनाव लड़े। तभी यूपी से बीजेपी का सफाया हो सकता है ।कांग्रेस को यह बात याद रख लेनी चाहिए आज की बिहार की जो स्थिति है एआइएमआइएम पार्टी की रेंज की ही कांग्रेस भी है।

कांग्रेस के 6 एमएलए जीते हैं तो उनकी पार्टी के 5 एमएलए जीते हैं। इसलिए वह भी तुम्हारी बराबरी की ही पार्टी है। उसको नजर अंदाज करके भारत की कोई भी पार्टी किसी मैदान में कामयाब नहीं हो सकती।

असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर रावण को अगर यूपी चुनाव में गठबंधन में शामिल नहीं किया जाए। थर्ड फ्रेंड बनाकर पूरी सीटों पर प्रत्याशी उतारे चुनाव में कोई भी पार्टी छोटी या बड़ी नहीं होती। इसलिए भारत की तमाम पार्टियों से मैं इतना कहना चाहता हूं छोटी पार्टियों को भी हल्के में ना लें।

हराने के लिए 200 वोट का काटना भी काफी होता है। जिस तरह बिहार में ओवैसी और दूसरी पार्टियों के कैंडिडेट को सिर्फ 100 150 और 14 वोटो से ही हरा दिया गया। इसलिए राहुल गांधी और अखिलेश यादव यूपी का समीकरण बिठाने के लिए तमाम छोटी पार्टियों को साथ लेकर ही चुनाव लड़े।

बाल दिवस पर किया गया बच्चो को सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

हंगामा लोक सामाजिक साहित्य समिति के संरक्षक डॉ जितेन्द्र कौशिक निर्मला कौशिक संस्था की संस्थापिका राखी कौशिक उपासना कौशिक द्वारा सार्थक रश्तौगी,रुद्रांश सैनी, वेद सैनी, राज सैनी,लक्ष्य सैनी आदि बच्चो को बाल दिवस पर मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

वही बिस्कुट टॉफी भेट किये गए। डॉ जितेन्द्र कौशिक ने बताया हंगामा लोक सामाजिक साहित्य समिति द्वारा बाल दिवस के शुभ अवसर पर बच्चो के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।,जिसमे बच्चो द्वारा बाल दिवस के गीतों पर सुंदर सुंदर प्रश्तुति दी गयी।कार्यक्रम के अंत मे सभी बच्चो को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी।

निर्मला कौशिक ने बताया कि समिति का उद्देश्य बच्चो को सम्मानित करके आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी को उनके जन्मदिन के अवसर पर नमन किया गया साथ ही उनके जीवन के कुछ मुख्य बिंदुओ पर प्रकाश डाला गया।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत लापरवाही बरतने वाले संस्थानों पर होगी सख्त कार्रवाई : सीडीओ

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सीडीओ की अध्यक्षता में जनपद के उच्च शिक्षण संस्थानों की समीक्षा की गयी, जिसमें जिले के 28 शिक्षण संस्थानों के द्वारा छात्रवृत्ति मास्टर डाटाबेस डिजिटली लॉक न किये जाने एवं 104 शिक्षण संस्थाओं के द्वारा सम्बन्धित एफिलियेटिंग एजेंसी के शतर मास्टर डाटाबेस लॉक नहीं कराया गया है, जिसके कारण जनपद के छात्रों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति वितरित किया जाना बाधित हो रहा है। संस्थाओं की लापरवाही के कारण जनपद में अनेक छात्र छात्रवृत्ति योजना से वंचित हो सकते हैं। साथ ही जिन संस्थाओं का मास्टर डाटा लॉक है उनके शतर से छात्र/छात्राओं के आवेदनों को अग्रसारित नहीं किया जा रहा है, जिससे भी छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति से बंचित हो सकते हैं। अतः मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा संलग्न सूची अनुसार ऐसे लापरवाह शिक्षण संस्थानों के नाम प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने एवं ऐसे शिक्षण संस्थाओं को दो दिन के अन्दर मास्टर डाटाबेस लॉक करने के निर्देश दिए।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	47-SRDEE-G-DLI-2025-26 व्यापक एएमसीः– i) दिल्ली मंडल में तीन वर्षों के लिए 30 No. जॉनसन मेक लिफ्ट की ii) दिल्ली मंडल के नई दिल्ली, डीईई, डीएसए और एचएनजेडएम स्टेशन पर तीन वर्षों के लिए जॉनसन मेक लिफ्ट की।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 1,31,74,560.00
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 2,15,900.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	09.12.2025, 16:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	09.12.2025, 16:00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली

3555/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

आरोपों की राजनीति में झूलता लोकतंत्र

भारत की राजनीति में कौन सी स्थिति कब पैदा हो जाए, कोई यकीनी तौर पर कह नहीं सकता। कभी सत्ता से बेदखल करने के लिए कांग्रेस के विरोध में राजनीतिक दल एकत्रित होते थे, अब यह दृश्य पूरी तरह से विपरीत होता जा रहा है। अब भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए राजनीति की जा रही है। इतना ही नहीं इसके लिए लोकतांत्रिक देश में आरोप और प्रत्यारोप का अभियान सा भी चलता दिखाई दे रहा है।

आज की राजनीति के लिए सबसे गंभीर बात यह है कि यह सारे आरोप केवल और केवल प्रायोजित जैसे ही लगते हैं। अभी हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चलाए जा रहे प्रचार अभियान के अंतर्गत विपक्षी राजनीतिक दलों ने केन्द्र की भाजपा सरकार पर वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाकर चुनावी दृश्य को अपने रंग में रंगने का प्रयास किया।

इस बारे में सबसे गंभीर तथ्य यह भी है कि जो इस दुनिया से चले जाते हैं, उनके वोट हर वर्ष कटते ही हैं और जो युवा अपनी 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर लेते हैं, उनके नाम भी जुड़ते हैं। वैधानिक स्थिति में दो स्थानों पर नाम होना एक बड़ा अपराध होता है। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का काम विधिवत तरीके से चुनाव आयोग ही करता है, लेकिन राजनीतिक दल इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा को जिम्मेदार बताने का प्रयास किया जा रहा है। यह आरोप लगाना ही यह प्रमाणित करता है कि वोट चोरी का मामला पूरी तरह से राजनीतिक है, लोकतांत्रिक नहीं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किए जा रहे कार्यों पर सवाल खड़े करना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा ही है।

बिहार में जो आरोप लगाए गए, उनको प्रमाणित करने का सामर्थ्य अगर किसी के पास है तो उन प्रमाणों के साथ ही आरोप लगाना चाहिए। अगर प्रमाण नहीं है तो उन आरोपों को तथ्यहीन ही माना जाएगा। वोट चोरी का आरोप भी तथ्यहीन ही माना जा रहा है। क्योंकि चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर के अंतर्गत की जा रही कार्यवाही में केवल उन्हीं लोगों के नाम हटाए हैं, जिनके हटाए जाना चाहिए।

चुनाव आयोग ने जब इन आरोपों को सबूत के साथ लिखित में देने को कहा तो कोई भी सामने नहीं आया। आज विपक्ष की राजनीति लगभग ऐसी ही होती रही है। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। ऐसा ही एक निराधार मामला हरियाणा के चुनाव से जुड़ा हुआ है।

जिसमें कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला है। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना है कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना जा सकता है। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है।

बिहार चुनाव के लिए इस प्रकार के आरोपों में कितना दम है, यह तो जांच करने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीति में इस प्रकार के आरोप लगाना उचित है। यकीनन इसका उत्तर नहीं ही होगा। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल द्वारा ऐसे आरोप लगाने के यही निहितार्थ निकाले जा सकते हैं कि उनको किसी भी प्रकार से बिहार में अपनी सरकार बनाना है। आज बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसके सहारे जनता को प्रभावित किया जा सके।

इसलिए सभी राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोप लगाने की राजनीति कर रहे हैं। बिहार के राजनीतिक परिदृश्य की बात की जाए तो वहां भाजपा, कांगे्रस, राजद और जदयू के आसपास ही सत्ता के ताले की चाबी घूमती रहती है। अब भाजपा, जदयू, कांगे्रस, राजद के नेता अपनी पीठ पर तरकश बांधकर तैयार खड़े हैं।

किसके तीरों से किसका संधान होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। जहां एक ओर राजद की ओर से नीतीश कुमार को राजनीति के लिए अनफिट बताने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं जदयू और भाजपा की ओर से राहुल और तेजस्वी को अपरिपक्व बताने का भी खेल हो रहा है। लेकिन इस बार सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि प्रशांत कुमार की पार्टी कितना प्रभाव दिखाती है। अगर इनका खासा प्रभाव हुआ तो इसकी गति किसको ओवरटेक करेगी, यह देखने वाली बात होगी।

देश के कुछ राजनीतिक विश्लेषक बिहार की राजनीति में लगाए जा रहे आरोपों पर यही कहते दिखाई दे रहे हैं कि इन आरोपों के चलते यह दल अपने बचाव करने की स्थिति बना रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस चुनाव में भी भाजपा और जदयू के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत मिलेगा। इस प्रकार का राजनीतिक दृश्य बनता है तो कांग्रेस और राजद इन्हीं मुद्दों को एक नए राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग कर सकता है।

सबसे बड़ी बात यह भी है कि अगर बिहार का मतदाता कांगे्रस और राजद को पसंद करता है तो चुनाव आयोग की कोई भी गलती दिखाई नहीं देगी। आरोप केवल तब ही लगाए जाते हैं, जब कोई दल चुनाव हारता है। चूंकि हारने के लिए कोई बहाना भी तलाश करना होता है। इसलिए विपक्ष के पास वोट चोरी का मामला एक बहाने का ही काम करेगा।

जहाँ तक बिहार की राजनीति की बात है तो यह सब जानते हैं कि यहां जातिवाद के सहारे ही सरकार बनाई जाती रही हैं। इस बार भी इसी को आधार मानकर विपक्ष राजनीति कर रहा है, वहीं भाजपा और जदयू विकास के नाम पर वोट मांग रही है। विपक्ष के सामने सबसे कठिन बात यही है कि जब प्रदेश में उनकी सरकार रही, तब के बिहार और वर्तमान बिहार की स्थिति में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। मतदाता इन दोनों स्थितियों का भी अध्ययन किया ही होगा। अब बिहार को आरोप नहीं, प्रमाण के साथ राजनीति करने की नीति पर आगे आना चाहिए। इसी से बिहार में लोकतंत्र स्थापित होगा और यही बिहार के हित में होगा।

बिहार: बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की सुबह

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक एवं अनूठी जीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है।

नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी ख़ास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े।

इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 200 सीटों के आंकड़े को पार कर रहा है, इस जनादेश में महिला मतदाताओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसा प्रतीत होता है कि एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीत गया है, एनडीए विजयी हुआ है, बिहार विजयी हुआ है और महागठबंधन का बड़बोलापन हारा है।

महागठबंधन की करारी हार अपने आप में कई सवाल छोड़ती है। चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास जीतने में विफल रहा। नेतृत्व की अस्पष्टता, रणनीति की कमी, और विकास तथा सुशासन पर ठोस विजन की गैर-हाजिरी ने जनता को यह सोचने पर मजबूर किया कि सत्ता परिवर्तन से स्थिरता नहीं, बल्कि अनिश्चितता बढ़ सकती है। महागठबंधन बार-बार सामाजिक न्याय और पुराने नारों की दुहाई देता रहा, लेकिन आज का बिहार उन नारों से अधिक उम्मीदें रखता है-रोज़गार, सुरक्षा, कानून व्यवस्था और बुनियादी सेवाओं की निरंतरता। इन मुद्दों पर विपक्ष का स्पष्ट और भरोसेमंद खाका सामने नहीं आ सका। यही कारण है कि उसके नेताओं की बड़बोली बयानबाज़ी जनता पर असर नहीं डाल सकी, बल्कि कई जगह उलटा असर दिखा गई।

इसके विपरीत एनडीए ने अपने चुनाव अभियान को "स्थिरता $ विकास" के सूत्र में पिरोया। मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां-योजनाएं और नीतीश कुमार की सुशासन-छवि ने बिहार के मतदाता को यह भरोसा दिया कि यह गठबंधन अनुभव, विश्वास, विकास और नीतिगत दृढ़ता का सही मिश्रण है।

नीतीश कुमार भले कई राजनीतिक मोड़ों के लिए आलोचित हुए हों, लेकिन जनता के मन में उनकी छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी हुई है, जो लंबे समय से बिहार को कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, सड़क-निर्माण और शिक्षा सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। इस छवि का लाभ एनडीए को व्यापक रूप से मिला। भाजपा की संगठनात्मक मशीनरी ने बूथ तक प्रभावी और लक्षित पहुंच बनाई, जिससे मतदाताओं में यह भरोसा मजबूत हुआ कि केंद्र व राज्य का समन्वय विकास की गति को और तेज करेगा।

इन चुनावों का एक बड़ा आकर्षण चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर

दिया कि वे किसी के "मोहरा" नहीं, बल्कि भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। उनके आक्रामक और आत्मविश्वासी अभियान ने युवा और दलित वर्ग में नई ऊर्जा जगाई।

एनडीए के भीतर उनकी भूमिका महज सांकेतिक नहीं थी, बल्कि वाश्तविक जनाधार और असर से भरपूर रही। सीटों पर उनकी उल्लेखनीय पकड़ ने यह संदेश दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। यह भी सच है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता नीतीश कुमार के लिए संतुलन साधने की चुनौती भी बन सकती है, लेकिन यदि गठबंधन समन्वय बनाए रखता है, तो बिहार को इससे मजबूत नेतृत्व का लाभ मिल सकता है।

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं-सुरक्षित समाज, संवेदनशील प्रशासन, भ्रष्टाचार पर अंकुश और विकास की तेज रफ्तार। कानून-व्यवस्था बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। लोग चाहते हैं कि अपराध-नियंत्रण में सुधार हो, पुलिस प्रशासन आधुनिक और जवाबदेह बने, और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी आए। एनडीए के पास केंद्र और राज्य दोनों के संसाधन और राजनीतिक सामर्थ्य है, इसलिए उससे उम्मीद यह है कि वह "सुशासन का दूसरा अध्याय" लिखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना आसान नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे।

जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल इस पूरे चुनाव में महिला वोटर्स गेम चेंजर बताई जा रही हैं और ऐसा हुआ बिहार चुनाव से पहले महिला रोजगार योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाने से। वहीं चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है।

निश्चित ही इन चुनाव परिणामों में बिहार का मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील दिखाई दिया हैं। वह जानता है कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता, विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही। इस चुनाव ने केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं की है, बल्कि यह तय किया है कि अब बिहार की जनता अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ेगी। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा तो होती रही है, लेकिन इन जटिल से जटिलतर होती समस्याओं से बाहर निकलने के राश्ते दिखाई नहीं दिये। बिहार की जनता का मोदी के प्रति एक नये तरह का विश्वास जागा है। पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले इसलिये भी बने हैं कि इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं।

इस चुनावी जनादेश को केवल राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से नहीं, बल्कि जनविश्वास की कसौटी से देखना जरूरी है। यह जीत भाजपा, जेडीयू और एलजेपी (रामविलास) के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अब उन्हें यह साबित करना होगा कि चुनावी नारों की चमक शासन की रोशनी में भी कायम रह सकती है। बिहार की जनता ने महागठबंधन की ऊँची-ऊँची बातों, वंशवादी दावों और बड़बोले नेताओं की कटुता को नकारकर यह संदेश दिया है कि उन्हें स्थिरता, ईमानदार नेतृत्व और विकास का भरोसा चाहिए। इन चुनाव परिणामों ने एक बार फिर कांग्रेस को करारी हार दी है, जो पार्टी के लिये आत्ममंथन का बड़ा कारण है। एनडीए की यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार के नए भाग्य का उदय है। अब देखते हैं कि यह उदय सच्चे अर्थों में उजाला बिखेरता है या सिर्फ राजनीतिक रोशनी भर साबित होता है।

सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद से मेवाड़ तक ट्रेन सेवा की सख्त जरूरत, वर्षों पुरानी मांग

कांतिलाल मांडोत

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई और औद्योगिक शहर सूरत में राजस्थान के लाखों प्रवासी रहते हैं, विशेषकर मेवाड़ क्षेत्र चितौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, नाथद्वारा, गोगुन्दा, भीलवाड़ा और आसपास के जिलों से। ये प्रवासी न केवल गुजरात और महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, बल्कि अपने गृहप्रदेश राजस्थान की आर्थिक धारा में भी नियमित रूप से धन भेजकर उसे सशक्त करते हैं। सूरत सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से जानी जाती है।

यहां सालाना कपड़ा उधोग और हीरा का खरबो का व्यवसाय होता है। केंद्र सरकार को अरबो रुपये का राजस्व सूरत से मिलता है। सूरत में वर्षो से जैन समाज सहित अन्य जातिवर्ग के लोग उधोग से जुड़े हुए है। इनके लिए बड़ी परेशानी आवागमन की बनी हुई है।

मुम्बई, सूरत, वाया अहमदाबाद से उदयपुर चितौड़गढ़ के लिए एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है। हम समझ सकते है कि आठ लाख प्रवासियों के लिए आवाजाही की कितनी मुश्किलें पैदा होती होगी। फिर भी यह विडंबना ही है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रवासी होने के बावजूद सूरत या मुंबई से वाया अहमदाबाद मेवाड़ तक एक भी नियमित ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं है।

मेवाड़ से सूरत-मुंबई का गहरा संबंध

सदियों से मेवाड़ के लोग मेहनती, व्यापारिक और तकनीकी दक्षता के लिए जाने जाते हैं। आज सूरत के वस्त्र उद्योग, डायमंड पॉलिशिंग, और छोटे-बड़े व्यापारों में मेवाड़ियों की गहरी जड़ें हैं। अनुमान है कि सूरत और आसपास के क्षेत्रों में आठ लाख से अधिक राजस्थानी प्रवासी रहते हैं, जिनमें से अधिकांश का मूल निवास चितौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों से है।

यह वर्ग त्योहारों, शादियों, धार्मिक आयोजनों और पारिवारिक कारणों से अक्सर अपने गृहजिले जाता है। किंतु यातायात के सीमित विकल्पों के कारण उन्हें भारी आर्थिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ती है।

रोज ट्रेन नहीं, केवल बसों का सहारा

वर्तमान में सूरत और मुंबई से मेवाड़ के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं चलती। लोगों को या तो अहमदाबाद, हिम्मतनगर, या उदयपुर तक पहुंचने के लिए अलग-अलग ट्रेनें पकड़नी पड़ती हैं, या फिर निजी बस सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ता है। हालांकि साप्ताहिक ट्रेनों का संचालन नाकाफी है।

त्योहारों के सीजन में यह बस सेवाएँ ही मेवाड़ तक लोगों को पहुंचाने का मुख्य साधन बनती हैं। परंतु समस्या यह है कि इन बसों की संख्या लगभग तीन हजार तक पहुँच जाती है, और वे प्रति व्यक्ति 2500 से 3000 रुपये तक किराया वसूलती हैं। एक सामान्य मजदूर या मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह किराया बहुत भारी पड़ता है। वहीं यात्रा में 18 से 20 घंटे तक का समय लगता है, जिसमें आराम, सुरक्षा और भोजन की कोई गारंटी नहीं होती।

रेल सेवा से क्या होगा लाभ, प्रवासी जनता को सुविधा

रोज़गार के सिलसिले में सूरत और मुंबई में रह रहे लाखों प्रवासी राजस्थानी एक सश्ती, सुरक्षित और तेज़ यात्रा सुविधा पा सकेंगे। राजस्थान पर्यटन को प्रोत्साहन मिल रहा है। यदि ट्रेन वाया उदयपुर, राजसमंद और चितौड़गढ़ से गुजरे, तो यह पर्यटकों के लिए भी एक बेहतर मार्ग बनेगा। मेवाड़ के ऐतिहासिक किले, झीलें और मंदिर इस मार्ग को लोकप्रिय बना देंगे। राजस्थान, गुजरात और केंद्र में भाजपा की सरकार होते हुए भी प्रवासियों को इतना बडा लम्बा इंतजार कराया जा रहा है। यह अनुचित है।

सूरत में व्यापार और रोजगार में वृद्धि

रेल सेवा से सामान का आवागमन आसान होगा। सूरत के व्यापारिक केंद्रों और मेवाड़ के हश्तशिल्प-उद्योगों के बीच बेहतर संपर्क बनेगा।

बस ऑपरेटरों की मनमानी पर रोक

ट्रेन शुरू होने से निजी बस संचालकों द्वारा किए जा रहे किराये के शोषण पर अंकुश लगेगा। पर्यावरणीय दृष्टि से लाभदायक है। रेल यात्रा बसों की तुलना में ईंधन की दृष्टि से अधिक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल है।

कई बार उठ चुकी है मांग, पर कार्रवाई नहीं

प्रवासी समाज के संगठनों, विशेषकर राजस्थान मेवाड़ प्रवासी समिति सूरत, मेवाड़ ट्रस्ट मुंबई, और उदयपुर विकास मंच द्वारा पिछले कई वर्षों से यह मांग उठाई जा रही है कि मुंबई से वाया अहमदाबाद होकर चितौड़गढ़-उदयपुर के लिए एक दैनिक ट्रेन चलाई जाए। कई बार रेल मंत्री को ज्ञापन भी सौंपे गए हैं। जनप्रतिनिधियों ने संसद में प्रशन उठाए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है।

रेलवे का तर्क है कि अहमदाबाद से उदयपुर लाइन पर पहले से ही सीमित क्षमता है, और नई ट्रेनों के लिए पथ उपलब्ध नहीं है। लेकिन अब यह कोई समस्या नही है। ब्रॉडगेज लाइन बिछी हुई है। और अहमदाबाद से साप्ताहिक ट्रेन का संचालन भी है।

हालांकि, हाल के वर्षों में उदयपुर-अहमदाबाद सेक्शन का विद्युतीकरण और डबल लाइन कार्य लगभग पूरा हो चुका है, इसलिए तकनीकी रूप से अब कोई बड़ी बाधा नहीं रह गई है।

संभावित मार्ग और ट्रेन की जरूरत

सूरत, भरुच, वडोदरा, अहमदाबाद, हिम्मतनगर उदयपुर चितौड़गढ़ राजसमंद – नाथद्वारा और जोकि गोगुन्दा उदयपुर का समावेश होता है। यह मार्ग गुजरात और राजस्थान के बीच न केवल सामाजिक बल्कि आर्थिक पुल का काम करेगा। रोजाना कम से कम दो ट्रेन चलाने से हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

सीजन में बढ़ जाती है मुश्किलें

नवरात्र, दीपावली, होली और गर्मियों की छुट्टियों के समय यह समस्या चरम पर होती है। बस टिकट न मिलने पर लोग ट्रेनों में खड़े होकर, किसी भी तरह सफर करते हैं।

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इस यात्रा में अत्यधिक कठिनाई होती है। त्योहारों पर जब लोग अपने घर पहुंचना चाहते हैं, तो रेल मार्ग का अभाव उन्हें भावनात्मक रूप से भी आहत करता है।

राज्य सरकारों की भूमिका

राजस्थान और गुजरात दोनों सरकारें इस मुद्दे पर एक साझा पहल कर सकती हैं। यदि दोनों राज्य संयुक्त रूप से रेल मंत्रालय से आग्रह करें, तो रेलवे के लिए यह सेवा शुरू करना संभव होगा। उदयपुर, चितौड़गढ़ और राजसमंद के सांसदों व विधायकों को भी इस पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

यह केवल यात्रा की सुविधा नहीं, बल्कि प्रवासी समाज के प्रति संवेदनशीलता का भी प्रतीक होगा। मेवाड़ी समाज जहां भी रहता है, वहाँ उसने विकास की कहानी लिखी है। सूरत, मुंबई, अहमदाबाद और पुणे में लाखों परिवारों ने अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं। वे हर साल अपने गांवों में निवेश करते हैं।

घर बनवाते हैं, स्कूलों और मंदिरों को दान देते हैं, समाजसेवा करते हैं। ऐसे लोगों को अपने गृहप्रदेश से जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम रेल सेवा ही हो सकती है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से भी प्रवासी मेवाड़ी समाज ने अपील की है।

आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद

भारतीय रेल के लिए यह नई ट्रेन घाटे का सौदा नहीं होगी। अगर आठ लाख प्रवासियों में से केवल दस प्रतिशत लोग भी महीने में एक बार यात्रा करें, तो यात्री संख्या लाखों में पहुंचेगी। साथ ही इस मार्ग से पर्यटन, व्यापारिक और मालवाहक ट्रेन सेवाओं का विश्तार भी संभव है।

सरकार से अपेक्षाएँ

सर्वेक्षण कर मार्ग की संभाव्यता रिपोर्ट तैयार की जाए। सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद होकर मेवाड़ के लिए दो नई दैनिक ट्रेन की घोषणा की जाए। त्योहारों में विशेष ट्रेनें चलाई जाएँ। प्रवासी समाज के साथ संवाद कर उनकी वाश्तविक आवश्यकताओं का आकलन किया जाए। मेवाड़ से सूरत-मुंबई तक ट्रेन सेवा केवल एक यातायात का मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, आर्थिक और मानवीय जुड़ाव का प्रतीक है।

देश के किसी भी हिस्से में प्रवासी अपनी मेहनत से राष्ट्र का विकास करते हैं। सरकार का दायित्व है कि उन्हें अपने मूल से जोड़ने के लिए बेहतर सुविधाएँ दी जाएँ।

आज जब 'विकसित भारत' की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं, तब ऐसी मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी प्रवासी समाज को निराश करती है। इसलिए समय आ गया है कि रेल मंत्रालय इस लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करे और सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद से मेवाड़ तक दो नई ट्रेन सेवा आरंभ करे। यह सेवा न केवल लाखों यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि राज्यों के बीच भावनात्मक और आर्थिक रिश्तों को भी नई मजबूती देगी।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार है)

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल क्रांति ने जिस तेज़ी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सश्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स-वेब सीरीज़, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो-हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं।

यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है-बल्कि तेज़ व्यूज़, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है। आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विश्तार होता है।

इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है-तेज़ी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफ़ा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है। कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी।

आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज़ और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही "आधुनिकता" या "यथार्थवाद" हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है-जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए।

इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज़-तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

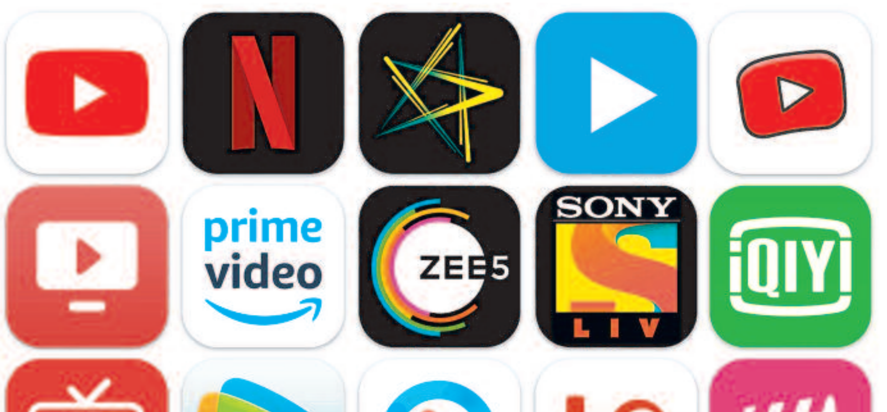

आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज़ देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज़ को वह "मनोरंजन" या "ट्रेंड" समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है।

कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज़–तेज़ दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रश्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है-कंटेंट निर्माता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए 'यूज़र चॉइस', 'एडल्ट टैग' या 'व्यूअर डिस्क्रेशन' जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमज़ोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक "स्वतंत्र माध्यम" है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नज़रअंदाज़ कर देना ही स्वतंत्रता है?

समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने श्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है।

माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विश्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं।

ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज़ पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रश्तुत करें।

साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफार्मों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं।

समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती। मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं। हमारे सामने आज यही प्रश्न है-क्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन जाएगी और सनसनी ही मनोरंजन?

समय की मांग है कि हम स्पष्ट रूप से कहें: हमें मनोरंजन चाहिए-लेकिन ऐसा नहीं जो समाज को खोखला कर दे। अगर डिजिटल दुनिया इस दिशा में नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे सांस्कृतिक अंधकार में प्रवेश करेंगी, जहाँ मनोरंजन तो बहुत होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं बचेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

हाईटेक कैमरे: रफ्तार से निकल रही गाड़ियां भी हो रहीं कैद, एक दिन में 4,945 कटे चालान

आगरा , एजेंसी। यातायात माह में शुक्रवार को स्मार्ट सिटी के कैमरों से पुलिस ने 4945 वाहनों के चालान किए। इनमें बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के दोपहिया और चार पहिया वाहन चलाने वालों की संख्या अधिक रही। डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार ने बताया कि 3 नवंबर से शुरू यातायात माह में जागरुकता के साथ प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को हेलमेट न पहनने पर 3470 दो पहिया वाहनों के चालान किए गए। सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 150 कार चालकों के चालान किए गए।

बरेली में मालगाड़ी के डिब्बे में भड़की आग, मची अफरातफरी; फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

बरेली , एजेंसी। बरेली के परसाखेड़ा में शनिवार को सुबह पार्सल मालगाड़ी के एक डिब्बे में अचानक आग भड़क गई। बरेली जंक्शन पर पहुंचने से पहले ही लोको पायलट ने बोगी से धुआं निकलते देखा और तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेलवे अफसर अलर्ट हो गए और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुला लिया गया। बरेली जंक्शन पर मालगाड़ी को रोका गया। जिस डिब्बे में आग लगी थी, उसे तत्काल ट्रेन से अलग कर दिया गया। एहतियात के तौर पर रेलवे कर्मियों ने आसपास का क्षेत्र खाली करा लिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने पानी की बौछार कर आग को बुझाया। बताया गया है कि यह मालगाड़ी दिल्ली से झारखंड जा रही थी। आग किन कारणों से लगी, यह अभी पता नहीं चला है। रेलवे की टीम ने जांच शुरू कर दी है। एक घंटा बाद मालगाड़ी को रवाना कर दिया गया है। मुख्य वाणिज्य निरीक्षक इमरान ने बताया कि घटना सुबह की है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच कराई जा रही है।

जहरीली शराब कांड: मुख्य आरोपी ऋषि-मुनीष को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, कुर्क की गईं संपत्तियों से खुला ताला

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ जिले के बहुचर्चित जहरीली शराब कांड के बाद गैंगस्टर के तहत कुर्क की गई मुख्य आरोपियों की संपत्तियों के खुलने का क्रम जारी है। इसी क्रम में अब मुख्य आरोपी भाइयों ऋषि व मुनीष की कई करोड़ की संपत्तियों से गैंगस्टर कोर्ट के आदेश पर सील खुल गई। 14 नवंबर को अदालत का आदेश अधिवक्ता जवां थाने लेकर पहुंचे। जहां कोर्ट के आदेश पर पुलिस द्वारा सील खुलवाने की प्रक्रिया पूरी कराई गई। यह आरोपियों के पक्ष में बड़ी राहत मानी जा रही है। वर्ष 2021 में हुए जहरीली शराब कांड में 125 मौत हुई थीं। मगर पोस्टमार्टम 106 शवों का ही हो सका था। बाकी शवों के बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार कर दिए गए थे। इसी मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों में शामिल जवां सिकंदरपुर के शराब कारोबारी भाइयों ऋषि-मुनीष शर्मा, गोंडा धारागढ़ी के अनिल-सुधीर, कुलदीप विहार के विपिन उर्फ ओमवीर, फरीदाबाद के कालिया, विद्या नगर के इंक कारोबारी विजेंद्र कपूर आदि को जेल भेजने के साथ-साथ उनकी करीब 75 करोड़ की संपत्तियों को भी गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया था। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि अदालत के आदेश का पालन कराया गया है। इससे पहले हाईकोर्ट के निर्देश पर गोंडा धारा गढ़ी के अनिल-सुधीर की कुछ संपत्तियां मुक्त हो चुकी हैं। वहीं, स्थानीय अदालत के आदेश पर इंक कारोबारी विजेंद्र कपूर की तालानगरी की इकाई भी मुक्त हो चुकी है।

न जाति, न पाति, न धर्म न मजहब..., यूपी के विजन को बिहार से आक्सीजन

नई पीढ़ी ने बदला सियासत का रंग

लखनऊ , एजेंसी। न जाति, न पाति, न धर्म न मजहब। सिर्फ सुशासन और विकास पर विश्वास। बिहार विधानसभा चुनाव के जनादेश का यही संदेश है। यह मुद्दा सभी अन्य मुद्दों पर भारी रहा। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठनबंधन (एनडीए) को मिली अप्रत्याशित सफलता से सिर्फ बिहार ही नही, बल्कि यूपी की सियासत को भी प्रभावित करेगा। हालांकि बिहार के मुद्दे और जनता का मिजाज यूपी के सियासी समीकरणों से थोड़ा अलग है, फिर वहां के चुनाव परिणाम ने साफ कर दिया है कि अब आगे चुनाव चाहे जिस भी प्रदेश में होगा, वहां भी ध्रुवीकरण की राजनीति के बजाय विकास और सुशासन के मुद्दे ही परिणाम तय करेंगे।

इस लिहाज से सबसे अधिक प्रभाव यूपी के सियासत पर भी पड़ेगा। नतीजों के जरिये बिहार ने यूपी की भाजपा सरकार के विजन को एक तरह से 'ऑक्सीजन' देने का भी काम किया है।

दरअसल बिहार चुनाव में भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति में धर्म, जाति, मजहब और ध्रुवीकरण के मुद्दे को तवज्जों देने के बजाए, यूपी की तर्ज पर विकास, सुशासन और माफिया विरोधी अभियान के आधार पर बिहार को भी सजाने-संवारने का राग छेड़ा था। **यूपी के विकास मॉडल के साथ ही कानून-व्यवस्था की खूब चर्चा** : बिहार में चुनाव प्रचार करने वाले भाजपा नेताओं भी अपने-अपने भाषणों में यूपी के विकास मॉडल के साथ ही कानून-व्यवस्था की खूब चर्चा की। वहीं, लालू राज में जंगलराज की भी याद दिलाई। भाजपा नेताओं ने राजद पर कट्टा और माफिया को संरक्षण देने की याद दिलाकर भी जनता को जगाने का काम किया था।

भाजपा यूपी के सियासी मैदान में भी इसी रणनीति के आधार पर उतरेगी : माना जा रहा है कि अगले साल पश्चिम बंगाल और 2027 में यूपी होने वाले विधानसभा चुनाव के रिहर्सल के तौर पर बिहार चुनाव में भाजपा ने अपनी चुनावी जाति-पाति की रणनीति बदलकर एक तरह से टेस्ट किया है। चूंकि इस टेस्ट में भाजपा गठबंधन पास हो गया है, इसलिए माना जा रहा है कि भाजपा यूपी के सियासी मैदान में भी इसी रणनीति के आधार पर उतरेगी।भाजपा ने जिस तरीके से इस बार बिहार में महिला और युवाओं के कल्याण के मुद्दे को लेकर चुनावी समर में उतरी तो मतदाताओं ने भी उसे हाथों-हाथ लिया और जनता का का भरोसा जीतने में एनडीए कामयाब रही। मोदी-नीतीश, योगी राज, मंदिर, महिला, माफिया के इर्द-गिर्द हुए बिहार चुनाव के नतीजों ने यह भी साफ कर दिया है कि जीत के लिए सुशासन, शासन की कल्याणकारी योजनाओं के सुगमता के साथ जनता के बीच पहुंचाने की प्राथमिकता, गठबंधन में पार्टियों और उनके नेताओं की एकजुटता तथा जिताऊ उम्मीदवारों को प्राथमिकता जरूरी है।

नई पीढ़ी ने बदला सियासत का रंग : नई पीढ़ी की पसंद से बदली बिहार की सियासत का रंग निश्चित रूप से यूपी में भी भाजपा को 27 के विधानसभा चुनाव के लिए जमीन तैयार करने में मदद करेंगे। ऐसा भी नही है कि इन परिणामों में सिर्फ विपक्ष के लिए ही नहीं, बल्कि बिहार चुनाव के नजीजों में सत्तारूढ़ दल भाजपा के लिए भी कुछ सबक छिपे दिख रहे हैं।

बिहार चुनाव प्रचार के दौरान यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जबरदस्त मांग, उनकी सभाओं में कई जगह बुलडोजर के साथ लोगों का जुटना और खुद योगी का बिहार के दुर्दांत अपराधी रहे शहाबुद्दीन के सिवान क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर दहाड़ तथा बिहार में कई जगह यूपी की बेहतर कानून-व्यवस्था को लेकर जनता के बीच से उठने वाली आवाज के बीच नीतीश की सुशासन बाबू की छवि का असर दिखा।

दरअसल पीएम नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह सरीखे बड़े नेताओं के अलावा कानून-व्यवस्था का मॉडल बनकर उभरे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभाओं ने संभवतः जनता को सुशासन बाबू के सुशासन को लेकर ज्यादा आश्वस्त किया।

इसका ही असर माना जाएगा कि एमवाई समीकरण के बावजूद लगभग 14 प्रतिशत यादव जनसंख्या वाले राज्य में तेजस्वी यादव की पार्टी राजद की बुरी हार बताती है कि इस चुनाव में बिहार में मतदाताओं ने जात-पांत की दीवारें तोड़कर वोट दिया है। यह संकेत यूपी में न सिर्फ विपक्ष को अपनी राजनीति और राजनीतिक मुद्दों को लेकर सचेत करने वाला है, बल्कि भाजपा को भी यह संदेश दे रहे हैं कि लगभग बिहार जितनी ही यादव आबादी वाले उत्तर प्रदेश में वे अगर इनको जोड़ने के लिए काम करें तो इनका वोट भी उनके पक्ष में आ सकता है।

पीआरवी सिपाहियों के साथ दबंगों ने की मारपीट, कंट्रोल रूम में शिकायत मिलने पर पहुंचे थे जवान

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना के बजरडीहा सुदामापुर इलाके में शुक्रवार की देर रात पीआरवी में तैनात सिपाहियों के साथ कुछ दबंगों ने मारपीट की। पीआरबी के जवान तेरहवीं के एक कार्यक्रम में मारपीट की सूचना पर वहां पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार बजरडीहा में काशी विद्यापीठ के पूर्व छात्र नेता अभिषेक सोनकर का मकान है। जहां तेरहवीं का शोक कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को कुछ लोगों द्वारा शराब पीकर आने और अभद्रता करने की सूचना दी। जानकारी होते ही पीआरवी के जवान मौके पर पहुंचे तो, शिकायत करने वाले व्यक्ति ने फोन नहीं उठाया। इसी दौरान पीआरवी के जवान शिकायत के संबंध में आयोजक से बात करनी चाही, इसी दौरान एक दबंग व्यक्ति आया और पीआरवी के जवान के साथ अभद्रता कर मारपीट करने लगा। जानकारी मिलते ही मौके पर भेलूपुर थाने के कई चौकी प्रभारी पहुंचे। तब तक दबंग लोग वहां से भाग खड़े हुए थे। पुलिस अपने साथ बिना नंबर प्लेट की पल्सर गाड़ी उठा ले गई। पुलिस दबंगों की तलाश कर रही है। देर रात तक चौकी प्रभारी बजरडीहा पवन पांडेय, चौकी प्रभारी दुर्गाकुंड विकास मिश्रा, रेवड़ी तालाब चौकी प्रभारी शिवम श्रीवास्तव और अन्य चौकी प्रभारी दबंग युवकों की तलाश में जुटे रहे।

महागठबंधन की महा-हार: बिहार चुनाव में भाजपा की जीत पर जश्न, बंटी मिठाई, जमकर हुई आतिशबाजी

अलीगढ़ , एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में महा गठबंधन की महा हार और भाजपा-एनडीए की अभूतपूर्व जीत पर भाजपाइयों ने 14 नवंबर जगह-जगह मिठाई बांटकर व आतिशबाजी चलाकर जश्न मनाया।

बिहार की कई सीटों पर प्रभारी बनाकर भेजे गए सांसद सतीश गौतम का उनके आवास पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सांसद के आवास पर दोपहर में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की भीड़ एकत्रित हुई। परिणाम आते ही जश्न शुरू हो गया। यहां उन सीटों पर भी अच्छे परिणाम आए, जहां सांसद को प्रभारी बनाकर भेजा गया था। मौके पर जिलाध्यक्ष चौधरी कृष्णपाल सिंह लाला, महामंत्री शिवनारायण शर्मा, सुशील गुप्ता, जिला मंत्री अवध सिंह बघेल, ठाकुर शल्यराज सिंह, आशीष गौड़, भाजयुमो महानगर अध्यक्ष अमन गुप्ता, हर्षद हिंदू, शशांक, मुकेश सिंह लोधी आदि मौजूद थे।

अलीगढ़ में भाजपा की जीत पर जश्न

महानगर अध्यक्ष इंजीनियर राजीव शर्मा की अगुवाई में कयामपुर स्थित कार्यालय पर मिठाई बांटी गई। महामंत्री शिवनारायण शर्मा की अगुवाई में गोधा कार्यालय पर जश्न मनाया गया। यहां वीपी सिंह, विवेक सिंघल, आलोक पंडित, प्रियांशु शर्मा आदि रहे।

भाजयुमो मंत्री शशांक पंडित की अगुवाई में सासनी गेट पर मिठाई बांटी गई। यहां गौरव राजपूत, अमन पंडित, नितिन सुपारी, ऋषि वर्मा, मोहित शर्मा, हनी शिवाजी आदि रहे। भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष यश गोयल की अगुवाई में बारहद्वारी पर आतिशबाजी की गई। इसमें चिराग वार्ष्णेय, सागर जोशी, सागर शर्मा आदि रहे।

बहुजन विचारधारा पूरे देश में मजबूत: सुरेश गौतम

बसपा के जिलाध्यक्ष सुरेश गौतम एडवोकेट ने कहा कि बिहार चुनाव ने साफ कर दिया है कि बहुजन विचारधारा अब पूरे देश में मजबूत हो रही है। बसपा ने जिन 50 सीटों पर दो-तीन हजार के छोटे अंतर से कड़ा मुकाबला किया, वह आने वाले समय की बड़ी चेतावनी है। यह जीत बहन मायावती की नीतियों और बहुजन समाज की बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है। बसपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों को दिल से बधाई।

संबद्ध कॉलेजों में शुरू होंगे 10 कोर्स, वस्त्र विज्ञान और परिवार संसाधन की होगी पढ़ाई

वाराणसी , एजेंसी। बीएचयू सहित इसके संबद्ध कॉलेजों में अगले सत्र से वस्त्र विज्ञान व परिधान और परिवार संसाधन सहित लगभग 10 कोर्स शुरू होंगे। इसमें चार-चार एमए और एमएससी, बीए, दो मल्टी डिसीप्लीनेरी और दो वैल्यू एडेड कोर्स शामिल हैं।

बीएचयू के फ्रेंच स्टडीज विभाग और विदेशी भाषा विभाग में एक-एक मल्टी डिसीप्लीनेरी कोर्स शुरू होंगे। इसके अलावा एमएमवी, वसंत कन्या महाविद्यालय, वसंता कॉलेज में होम साइंस के चार नए ब्रांच में एमए और एमएससी कोर्स पढ़ाया जाएगा।

मेन कैंपस में एमए योग शिक्षा सहित बॉटनी, केमेस्ट्री और जूलॉजी में माइनर वोकेशनल कोर्स, वहीं वसंत कन्या महाविद्यालय में दो वैल्यू एडेड कोर्स और एमएमवी में होम साइंस से बीए में दाखिला दिया जाएगा। इसके अलावा वसंता कॉलेज फॉर वुमेन में चार वर्ष का इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम और बैचलर ऑफ आर्ट्स इन लिंग्विस्टिक कोर्स शुरू किया जाएगा।

80 से 81 क्रेडिट तक तय किया गया : खाद्य एवं पोषण से एमए-एमएससी और एक्सटेंशन और कम्युनिकेशन में एमए-एमससी कोर्स के लिए 80-80 क्रेडिट रखे गए हैं। वहीं वस्त्र विज्ञान और परिधान से एमए और एमएससी के 81 क्रेडिट और परिवार संसाधन प्रबंधन में एमए-एमएससी के 80 क्रेडिट तय हुए हैं। एक्सटेंशन और कम्युनिकेशन में एमए-एमससी की पढ़ाई में छात्र और छात्राओं को रिसर्च की विधा और साइंटिफिक लेखनी भी सिखाई जाएगी।इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम आईटीईपी में बीए और बीए बीएड कोर्स की अवधि चार साल की होगी।

ये कला संकाय और सामाजिक विज्ञान संकाय की ओर से चलाई जाएगी। बीएचयू में सप्ताह भर पहले हुए एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इन कोर्स का प्रस्ताव को रखा गया था। इस पर लंबे समय तक चर्चा चली। वहीं इसमें कई ऐसे कोर्स हैं जो कि नई शिक्षा नीति के तहत शुरू किए जा रहे हैं।

हत्या का खुलासा: डंडे से पीट- पीटकर ली थी शख्स की जान, तीन गिरफ्तार

आजमगढ़ , एजेंसी। आजमगढ़ जिले के थाना पवई क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में हत्या के मुकदमे में वांछित मुख्य आरोपी नीरज पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसके दो साथी शिवशंकर उर्फ शंकर और सूरज उर्फ मंटू को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध तमंचा, कारतूस, मोटरसाइकिल और हत्या में प्रयुक्त तीन डंडे बरामद किए हैं।

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अपनी टीम के साथ क्षेत्र में रात्रि गश्त पर थे। थाना पवई पर दर्ज मुकदमा में 13 नवंबर को ग्राम ओरिलङ्ककेवटाना में नरेन्द्र बिंद की हत्या के तीनों आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी पल्सर मोटरसाइकिल से गुजरने वाले हैं। पुलिस ने रसूलाबाद मोड़ के पास घेराबंदी की। थोड़ी देर बाद काली पल्सर पर सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस के रुकने के इशारे पर वे भागने लगे, लेकिन मोटरसाइकिल असंतुलित होकर गिर गई। तभी एक आरोपी ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें मुख्य आरोपी नीरजके दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी पवई भेजा गया।

पुलिस ने मौके से शिवशंकर उर्फ शंकर निवासी पिलकिच्छा, थाना खुटहन, जौनपुर और सूरज उर्फ मंटू निवासी ओरिल केवटाना को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते 13 नवंबर की सुबह करीब 4:30 बजे नरेन्द्र बिंद को खेत के पास चकरोड पर रोककर डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने की बात कबूल की। उनकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त तीन डंडे बरामद किए गए।

कुशीनगर में देह व्यापार: गेस्ट हाउस में चल रहा था गंदा काम...15 जोड़े अलग-अलग कमरों में मिला- सील

कुशीनगर, एजेंसी। कुशीनगर नगर पालिका के एनएच-28 के किनारे अवैध तरीके से संचालित हो रहे गेस्ट हाउस पर शुक्रवार को एसडीएम और सीओ ने टीमटीम के साथ छापा मारा। अचानक इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया। गेस्ट हाउस के अलग-अलग कमरे से 15 जोड़े युवक-युवतियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। इसमें कुछ लड़कियां नाबालिग हैं।

मौके से संचालक भाग निकला। केयर टेकर को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। सूत्रों की माने तो पुलिस की सरफरस्ती में यह गेस्ट हाउस कई महीने से संचालित हो रहा था। कुशीनगर और कसया में अवैध तरीके से मकानों में भी गेस्ट हाउस संचालित किया जा रहा है। कसया एसडीएम डॉ. संतराज सिंह बघेल पुलिस के साथ एनके गेस्ट हाउस पर दोपहर में पहुंचे। पुलिस और एसडीएम की गाड़ी देख बाहर मौजूद संचालक भाग निकला, जबकि गेस्ट हाउस के अलग-अलग कमरों में 15 से अधिक युवक और युवतियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कमरों से नशीली दवाईयां और आपतिजनक सामान पुलिस ने बरामद किया है। अवैध तरीके से संचालित गेस्ट हाउस के बारे में लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसके बाद उच्चाधिकारियों तक मामला पहुंचा और एसडीएम ने छापा मारा। एसडीएम ने केयर टेकर से गेस्ट हाउस से जुड़े कागजात मांगा, लेकिन वह कोई कागजात नहीं दिखा सका।

इसके बाद एसडीएम ने गेस्ट हाउस को सील कर दिया। सूत्रों की माने तो कई सफेदपोश होटल और गेस्ट हाउस की आड़ में होने वाले देह व्यापार के खेल में शामिल हैं। एसडीएम डॉ. संतराज सिंह बघेल ने बताया कि गेस्ट हाउस अवैध तरीके से संचालित हो रहा था।

उसे सील कर दिया गया है। होटल के अंदर से मिले युवक और युवतियों को पुलिस हिरासत में लेकर कार्रवाई कर रही है। अवैध होटलों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

बैंक में जमा पैसा भूल गए थे...174 खाताधारकों को मिले 1.33 करोड़ रुपय, अभी जमा हैं 200 करोड़ से अधिक

आगरा, एजेंसी। आगरा में संचालित 22 बैंकों के करीब आठ लाख खातों में डंप पड़े 240 करोड़ रुपये खाता धारकों को लौटाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मंडलायुक्त कार्यालय सभागार में शिविर लगाया गया। इसमें 174 खातों के 1.33 करोड़ राशि का निस्तारण कर संबंधित खाता धारकों को निस्तारण सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

लीड बैंक मैनेजर ऋषिकेश बनर्जी ने बताया कि केंद्र सरकार व भारतीय रिजर्व बैंक के तत्वावधान में सभी बैंकों के प्रतिनिधि शुक्रवार को कार्यक्रम में मौजूद रहे। इसमें खाताधारकों को राशि लौटाने का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। 25 दिसंबर तक संबंधित बैंक शाखा में जाकर ऐसे खाताधारक अपनी केवाईसी कराकर जरूरी दस्तावेज देने के बाद अपने निष्क्रिय बैंक खातों को फिर से सक्रिय कर उनमें जमा राशि का उपयोग कर सकेंगे।

बनर्जी ने कहा कि मुख्य चिंता यह है कि अधिकांश लोग जागरूक नहीं हैं कि कैसे बैंकों में जमा राशि, बीमा पॉलिसी, एनपीएस योगदान, म्यूचुअल फंड के लिए दावा किया जा सकता है। समाधान के लिए 25 दिसंबर तक ऐसे आयोजन कर लोगों को जानकारी दी जाएगी ताकि वह अपनी राशि का उपयोग कर सकें।

बैंक में देनी होगी ये जानकारी

बैंक में संपर्क करने पर अधिकारी जांच कर ऐसे खाताधारक का नाम निष्क्रिय खाताधारक पोर्टल पर जांचेंगे। पोर्टल में नाम होने पर संबंधित खाताधारक का डेफ फॉर्म भरवाया जाएगा। फॉर्म भरवाते समय आधार, पैन, वोटिंग कार्ड, एक पासपोर्ट साइज फोटो, पासबुक की कॉपी जमा होगी,। प्रतिनिधि फॉर्म व सारे कागजात लेकर उसे आरबीआई मख्यालय भेजेंगे और उसके दस से पंद्रह

शादी में भिड़े बराती-घराती, दूल्हे के चचेरे भाई की मौत, तीन घायल, 10 पर मुकदमा, एक आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़ , एजेंसी। शादी में घुड़चढ़ी के बाद घराती और बराती भिड़ गए। दूल्हे के चचेरे भाई के सिर में डंडा लगने से मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गए। मामले में 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलीगढ़ में अतरौली के गांव मढ़ौली स्थित फार्म हाउस में गांव जगतपुर के रणजीत सिंह की पुत्री निशा की शादी आगरा के एत्मादौला थाना अंतर्गत सीता नगर के ओमवीर सिंह के पुत्र राहुल के साथ थी। 14 नवंबर रात करीब 11:30 बजे घुड़चढ़ी के बाद बरातियों व ग्रामीणों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया।

कुछ लोगों ने दूल्हे के रिश्ते में लगने वाले 29 वर्षीय चचेरे भाई विनय पुत्र गिरवर निवासी सीतानगर थाना एत्मादौला जनपद आगरा को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। सिर में में डंडा लगने से विनय गम्भीर रूप से घायल हो गया। विनय को सीएचसी अतरौली ले जाया गया, जहां से उसे अलीगढ़ के पंडित

अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

■ सरकार ने रात सीपीओ का आयात शुल्क मूल्य 70 रुपये प्रति क्विंटल घटाया है।

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार के कल देर रात आयात शुल्क मूल्य में कटौती करने से स्थानीय बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। इस गिरावट के कारण सरसों और सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन और सुस्त में मांग रहने के बीच बिनौला तेल के दाम अपरिवर्तित बने रहे।

सरकार ने कल देर रात सीपीओ का आयात शुल्क मूल्य 70 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन का आयात शुल्क मूल्य 182 रुपये प्रति क्विंटल तथा सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य 42 रुपये प्रति क्विंटल घटाया है।

इस गिरावट का असर आयातित तेलों के साथ साथ बाकी तेल-तिलहन कीमतों पर भी हुआ और उनके दाम नरम बंद हुए। मूंगफली और बिनौला की गुजरात में मांग होने के बीच इन मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम स्थिर बने रहे। कल रात शिकॉगो एक्सचेंज में सुधार हुआ था।

बाजार सूत्रों ने कहा कि सरकार अगर देश को तेल-तिलहन मामले में आत्मनिर्भर बनाना चाहती है और खाद्य तेलों के आयात पर खर्च होने वाले लाखों करोड़ रुपये की बचत करना चाहती है तो उसे सर्वप्रथम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे हाजिर दाम पर हो रही तिलहनों की बिकवाली की स्थिति पर गंभीर दृष्टि डालनी होगी और इसे रोकने के सुव्यवस्थित उपाय करने होंगे।

तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने के बाद भी हाजिर दाम पस्त होने से अगर किसानों को एमएसपी से नीचे दाम पर अपनी ऊपज बेचनी पड़े तो वे कभी उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित नहीं होंगे, उल्टे वे किसी ऐसी फसल का रुख कर सकते हैं जो बाजार में आसानी से बिके और उन्हें जल्द से जल्द लाभ मिल सके।

शेयर बाजार ने सप्ताह का अंत मजबूती के साथ किया

नीचे की ओर आईटी ने 1.03 प्रतिशत के साथ गिरावट का नेतृत्व किया

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों ने इस सप्ताह का अंत मजबूती के साथ किया। मार्केट एनालिस्ट ने कहा कि सेंसेक्स और निफ्टी की इस बढ़त को अमेरिकी शटडाउन के खत्म होने और मजबूत डोमेस्टिक फंडामेंटल जैसे उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे, कम महंगाई और बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक जीत का सपोर्ट मिला। अक्टूबर में रिकॉर्ड-लो महंगाई ने केंद्रीय बैंक आरबीआई की ओर से अगली ब्याज दर कटौती की उम्मीदों को बढ़ा दिया, जिससे घरेलू बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी आई।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, इस सप्ताह के अंत में एनडीए की बिहार में ऐतिहासिक जीत ने निवेशकों के विश्वास को बढ़ाया, लेकिन यूएस फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में अगली कटौती की कम होती उम्मीदों ने आईटी स्टॉक्स में प्रॉफिट बुकिंग को ट्रिगर कर दिया।

आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सूचकांक अधिकतर समय दबाव में रहे हालांकि, शाम को कारोबार के अंत में सूचकांक हरे निशान पर आ गए। बिहार चुनाव के नतीजों पर नजर बनाए रखने के साथ वोलैटिलिटी बढ़ गई, जो इस कारोबारी दिन का मुख्य ट्रिगर बना।

आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 84.11 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के बाद 84,562.78 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 30.90 अंक या 0.12 प्रतिशत की तेजी के बाद 25,910.05 स्तर पर आ गया। सेक्टोरल फ्रंट पर मिक्स ट्रेंड देखा गया।

पीएसयू बैंक ने नेतृत्व करते हुए 1.17 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। इसके बाद फार्मा ने 0.59 प्रतिशत, एफएमसीजी ने 0.57 प्रतिशत और फाइनेंशियल सर्विस ने 0.35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर क्रमशः 0.20 प्रतिशत और 0.19 प्रतिशत के साथ हल्की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, नीचे की ओर आईटी ने 1.03 प्रतिशत के साथ गिरावट का नेतृत्व किया। इसके अलावा, मेटल 0.89 प्रतिशत और ऑटो में 0.52 प्रतिशत की गिरावट रही। ब्रॉडर मार्केट स्पेस में निफ्टी स्मॉल-कैप 100 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत और मिडकैप 100 इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की बढ़त में रहे।

निफ्टी इंडेक्स को लेकर जानकारों का कहना है कि निफ्टी ने वीकली चार्ट पर एक मजबूत बुल कैंडल बनाई है, जिसमें इसके हाईर हाई और हाईर लो ने दो हफ्तों की करेक्टिव गिरावट के बाद पुलबैक का सिग्नल दिया है। जो कि 25,300-25,400 के महत्वपूर्ण सपोर्ट एरिया से हमारी उम्मीदों के मुताबिक है। आगे के लिए रुझान सकारात्मक बना हुआ है।आगे की ओर बढ़ते हुए मार्केट की दिशा मैक्रो ट्रिगर्स जैसे भारत का पीएमआई डेटा, अमेरिकी बेरोजगारी दावों, एफओएमसी मिनट्स और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर प्रगति पर निर्भर होगी।

बिजनेस सुर्खियां

आरबीआई के नये उपायों का निर्यातकों ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी।

निर्यात संघों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने वैश्विक बाजार के बदलावों से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों पर कर्ज और उधार के भुगतान का दबाव कम करने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कदमों को बड़ी राहत बताते हुए इसका स्वागत किया है।

केंद्रीय बैंक ने निर्यात आय देश में लाने के लिए तय अधिकतम समय को नौ महीने से बढ़ाकर पंद्रह महीने कर दिया है। इसके साथ ही उसने निर्यात के लिए अग्रिम भुगतान प्राप्त होने पर माल को भेजने की अवधि एक वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दी है। फियो के एक बयान में कहा गया है कि इससे इस समय वैश्विक बाजार की कठिनाइयों से प्रभावित क्षेत्रों के निर्यातकों पर ऋण चुकाने का दबाव हल्का होगा और वे रोजमर्रा के काम काज की ऋण सुविधाओं से धन निकासी को नये ढंग से पुनर्व्यवस्थित करने का मौका मिलेगा।

केंद्रीय बैंक ने बाजार की बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित कुछ निर्यात क्षेत्रों द्वारा लिए गये ऐसे कुछ मियादी कर्ज के भुगतान और कामकाजी पूंजी के लिए लिए गये कर्ज पर ब्याज की वसूली को रोक दिया है अथवा टाल दिया है जिनका भुगतान इस साल एक सितंबर से 31 दिसंबर के बीच किया जाना था।

फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, आरबीआई के इन फैसलों से निर्यात कारोबार को बड़ी राहत मिलेगी। इससे निर्यातक अपने विदेशी खरीदारों को उधार चुकाने के लिए और ज्यादा समय देने का प्रस्ताव कर सकते हैं। व्यापार संबंधी अनुपालन बेहतर होगा।

चावल, गेहूं चीनी, दालें सस्ती, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमत घट गयी। चावल के साथ गेहूं चीनी और दालें भी सस्ती हुईं। वहीं, खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

चावल की औसत कीमत 37 रुपये घटकर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर रह गयी। गेहूं भी 14 रुपये गिरकर 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत में दो रुपये की नरमी रही और यह 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल बिका।

खाद्य तेलों में आज घट-बढ़ देखी गयी। मूंगफली तेल की औसत कीमत 212 रुपये और वनस्पति की 74 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। वहीं, सरसों तेल 34 रुपये और सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा।

टीएचडीसी इंडिया के सीएमडी विश्नोई का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने शनिवार को अपने चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आर के विश्नोई के निधन की सूचना दी। विश्नोई (58) 2021 से कंपनी में शीर्ष पद पर थे। उनका राष्ट्रीय राजधानी के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था।

एनटीपीसी की एक शाखा ऋषिकेश स्थित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात और केरल में तापीय और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन करती है।

कंपनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, सीएमडी आर के विश्नोई का आज (15-11-2025) निधन हो गया। टीएचडीसीआईएल परिवार और भारत के संपूर्ण विद्युत क्षेत्र को इस अपूरणीय क्षति से हमें गहरा दुख हुआ है।

नवी मुंबई से इंडिगो 25 दिसंबर से शुरू करेगी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू यात्रियों के लिहाज से देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो आगामी 25 दिसंबर से नवी मुंबई हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह फिलहाल नवी मुंबई से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू करेगी। इन शहरों में दिल्ली, बेंगलुरु हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, उत्तरी गोवा (मोपा) जयपुर, नागपुर, कोचिन और मेंगलुरु शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत आठ अक्टूबर को नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। हालांकि अब तक वहां से वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं हुआ है। यह मुंबई और उसके उपनगरीय इलाके का दूसरा हवाई अड्डा है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहले से काफी बोझ है।

कारोबार

पॉलिश हीरे का निर्यात अक्टूबर में 34.9 फीसदी घटकर 9.44 करोड़ डॉलर रह गया

जेम्स और आभूषणों का निर्यात 31 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के बाद अक्टूबर में भारत से जेम्स और आभूषणों के निर्यात में करीब 31 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गयी।

जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के अनुसार, अक्टूबर 2025 में देश का जेम्स और आभूषण निर्यात 216.81 करोड़ डॉलर (19,172.89 करोड़ रुपये) रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 312.25 करोड़ डॉलर (26,237.1 करोड़ रुपये) के मुकाबले 30.57 प्रतिशत कम है। इसी तरह, आयात 19.2 फीसदी घटकर 127.68 करोड़ (11,299.6 करोड़ रुपये) रहा।

जीजेईपीसी ने बताया कि अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में सुस्त आर्थिक वृद्धि, उच्च ब्याज दर, सतर्क उपभोक्ता खर्च और वैश्विक अस्थिरता के कारण यह गिरावट आई है। इसके अलावा, सोने और हीरे की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सीमित वित्तपोषण और प्रयोगशालाओं में बने हीरों के कारोबार में समायोजन भी निर्यात-आयात को प्रभावित कर रहे हैं।

काउंसिल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कट और पॉलिश हीरे का निर्यात अक्टूबर में 27 प्रतिशत घटकर 102.60 करोड़ डॉलर रह गया। आयात में भी सालाना आधार पर 35.76 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 13.30 करोड़ डॉलर रहा।

रफ डायमंड्स का आयात अप्रैल-अक्टूबर 2025 में 6.57 प्रतिशत घटकर 645.16 करोड़ डॉलर हो गया।

प्रयोगशाला में तैयार पॉलिश हीरे का निर्यात अक्टूबर में 34.9 फीसदी घटकर 9.44 करोड़ डॉलर रह गया। अप्रैल-अक्टूबर में कुल निर्यात 12.95 प्रतिशत घटा और 68.12 करोड़ डॉलर रहा।

सोने के आभूषणों की बात करें तो अक्टूबर में सामान्य सोने के आभूषणों का निर्यात 38.95 फीसदी घटकर 28.91 करोड़ रुपये रहा। इसमें अप्रैल-अक्टूबर में 29.7% की वृद्धि देखी गयी। सोने के जड़ित आभूषणों के निर्यात में अमेरिकी टैरिफ के कारण अक्टूबर में 21.4 प्रतिशत की कमी देखी गयी।

चांदी के आभूषणों का निर्यात अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 71.78 करोड़ डॉलर रहा। यह पिछले वर्ष के 65.30 करोड़ डॉलर से 9.93 प्रतिशत अधिक है। उच्च सोने की कीमतों के कारण उपभोक्ता कम लागत वाले विकल्प की ओर आकर्षित हुए, जिससे चांदी की मांग में वृद्धि हुई।

रंगीन रत्नों का निर्यात अप्रैल-अक्टूबर में 25.01 करोड़ डॉलर रहा। इसमें 3.21 प्रतिशत की गिरावट आयी है। कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने कहा, पूर्व में लगाये गये टैरिफ का असर अब महसूस हो रहा है, जिससे लागत बढ़ी और खरीदारी कम हुई।

फिर भी, भारत में आगामी वैवाहिक मौसम और पश्चिमी बाजारों में छुट्टियों के सीजन के कारण निर्यात में सुधार आ सकता है। महाराष्ट्र सरकार की जेम्स एवं आभूषण नीति, 2025 भी उद्योग को बढ़ावा देगी। टैरिफ पर अंतिम फैसले के बाद उम्मीद है कि व्यापार पर दबाव कम होगा और राहत मिलेगी।

आईपीएल मिनी नीलामी में केकेआर और सीएसके के बीच मचेगी होड़

मुंबई, एजेंसी।

कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 16 दिसंबर को अबु धाबी में होने वाली आईपीएल की मिनी नीलामी में खिलाड़ियों को लेकर होड़ लगने की उम्मीद है क्योंकि दस टीमों में से सबसे ज्यादा पैसा इन्हीं दोनों के पास बचा है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर (23 . 75 करोड़ रूपये) और आंद्रे रसेल (12 करोड़) जैसे महंगे खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने संजू सैमसन को खरीदने के बावजूद कई खिलाड़ियों को रिलीज करके 40 करोड़ रूपये बचा लिये हैं।

केकेआर को नये सिरे से टीम बनानी होगी जबकि चेन्नई अपने

गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर करने की जुगत में होगी। उसकी नजरें मथीशा पथिराना को वापिस लेने या बेन स्टोक्स को खरीदने पर भी लगी होगी बशर्ते वह एशेज के बाद उपलब्ध रहे। केकेआर ने क्विंटन डिकॉक, मोईन अली और एनरिक नॉर्किया को भी रिलीज कर दिया है जबकि अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, सुनील नारायण, वरूण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, हर्षित राणा और अंगकृष रघुवंशी को बरकरार रखा है।

सिनर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे

तुरिन, एजेंसी। इटली के यानिस सिनर ने एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में शनिवार को यहां एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्काराज और फेलिक्स ऑगर-एलियासेम के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। सिनर और अल्काराज पिछले तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं।

आईसीसी ने आठ टीमों वाली महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी को लॉन्च किया

बैंकॉक, एजेंसी।

भारत में महिला विश्व कप की शानदार सफलता के बाद आईसीसी ने शनिवार को 'दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और विस्तार देने के लिए आठ टीमों वाला एक नया वैश्विक टूर्नामेंट शुरू किया।

बैंकॉक में 20 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले इसके शुरुआती सत्र को आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी कहा जाएगा और यह उभरते हुए क्रिकेट देशों को बड़े मंच का अनुभव प्रदान करने के लिए शुरू किए गए एक नए त्रि-स्तरीय विकास प्रणाली का हिस्सा होगा। इस प्रतियोगिता में थाईलैंड, नीदरलैंड, पापुआ न्यूगिनी, संयुक्त अरब अमीरात, स्कॉटलैंड, नामीबिया, तंजानिया और युगांडा की टीमें हिस्सा लेंगी।

हाल ही में संपन्न हुए महिला वनडे विश्व कप ने महिला क्रिकेट में एक नया मानदंड स्थापित किया, जिसमें टूर्नामेंट ने देश भर में 50 करोड़ से अधिक दर्शकों तक पहुंच बनाई और दुनिया भर में दर्शकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

ईडन गार्डर्स में विकेटों के पतझड़ के बीच भारत का पलड़ा भारी

ईडन गार्डर्स का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे

कोलकाता, एजेंसी।

ईडन गार्डर्स का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी।

लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रन का लक्ष्य भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा।

भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है। कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कॉर्बिन बॉश एक रन बनाया है।यहां

दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने चाय के विश्राम के समय अपनी चौथी गेंद पर रेयान रिकेल्टन (11) को आउट कर दिया। चाय के विश्राम के बाद रवींद्र जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे। हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया। बल्लेबाज के रूप में उपयोगी योगदान देने के लिए मशहूर इन तीनों खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखाया। वाशिंगटन ने 82 गेंदों का सामना किया, जबकि जडेजा और अक्षर ने 45-45 गेंदें खेलीं। इसके बावजूद हार्मर की गेंद को अंदर की ओर टर्न कराने की क्षमता निर्णायक साबित हुई।

लंबे कद के तेज गेंदबाज मार्को यानसन (35 रन देकर तीन विकेट) ने हाई कोर्ट एंड से उनका शानदार साथ दिया। लंच के बाद के सत्र में भारतीय टीम के वापसी के संकेत मिले जब ध्रुव जुरेल (14) ने कॉर्बिन बॉश की तीन गेंदों पर दो चौके जड़े लेकिन हार्मर के खिलाफ ऊपर की ओर ड्राइव करने का उनका प्रयास रिटर्न कैच में समाप्त हो गया।

भारत ने सुबह एक विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और वाशिंगटन ने गेंदबाजों का डटकर सामना किया लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज वापसी करने में सफल रहे। राहुल और वाशिंगटन ने दूसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़े। उन्होंने डिफेंस में मजबूती दिखाई और टर्न लेती गेंदों के खिलाफ संयम बनाए रखा। ड्रिंक ब्रेक के बाद सत्र का स्वरूप नाटकीय रूप से बदल गया, जिसका श्रेय अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को जाता है। हार्मर ने एक क्लासिकल ऑफ स्पिनर की तरह गेंदबाजी करके सबसे पहले वाशिंगटन को आउट किया जिन्होंने 82 गेंद पर 29 रन बनाए। उन्होंने स्लिप में एडेन मार्करम को कैच देने से पहले अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया।

हरमनप्रीत को महिला अनुबंधों की राशि में बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की केंद्रीय अनुबंध की राशि में बड़ा अंतर होने से कभी परेशानी नहीं हुई क्योंकि यह 'बाजार की ताकतों से प्रेरित' था लेकिन उनका मानना है कि उनकी टीम की वनडे विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के बाद यह अंतर कम हो जाएगा।

बीसीसीआई ने 2022 में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस पुरुषों के बराबर कर दी, लेकिन जब केंद्रीय अनुबंधों की बात आती है, तो यह संख्या तुलना के लायक नहीं है। हालांकि हरमनप्रीत की साथी स्मृति मंधाना का लंबे समय से मानना रहा है कि भुगतान संरचना बाजार की ताकतों से संचालित होती है और कप्तान भी इस बात से सहमत हैं। पुरुष वर्ग के शीर्ष स्तर के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रुपये जबकि महिला वर्ग के क्रिकेटरों को 50 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। भारतीय कप्तान ने कहा, अब इसमें बदलाव होगा (केंद्रीय अनुबंधों की राशि में)। मुझे ऐसा लगता है।

भारतीय मुक्केबाजों की निगाह विश्व कप में दमदार प्रदर्शन पर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।

भारतीय मुक्केबाज जब रविवार से यहां शुरू हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में उतरेंगे तो उनका लक्ष्य सत्र का शानदार अंत करने के साथ ही महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करना भी होगा।

मुक्केबाजी के संचालन का कार्य जब से वर्ल्ड बॉक्सिंग ने संभाला है तब से इस साल के शुरू में विश्व कप की शुरुआत की गई और अब उसका फाइनल्स होगा।

मुक्केबाज सभी प्रमुख टूर्नामेंटों में रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं, जो वरीयता निर्धारण में भूमिका निभाते हैं। अगले वर्ष एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल होने वाले हैं, इसलिए ये अंक महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

प्रारूप के अनुसार इस वर्ष के शुरू में आयोजित किए गए तीन

विश्व कप के पदक विजेता खिलाड़ियों ने शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाजों के साथ फाइनल्स में जगह बनाई है। भारत मेजबान होने के कारण पुरुष और महिला दोनों के सभी भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन (51 किग्रा) महिला टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। तेलंगाना की इस मुक्केबाज ने इस साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। उन्हें पहले दौर में बाय मिला है और अंतिम चार में वह उजबेकिस्तान की गुलसेवार जानीवा से खेलेंगी।

मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपनी अच्छी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगी। मीनाक्षी का सामना पहले क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान की अकबोता बोलात से होगा। प्रीति पवार (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और परवीन हुड्डा (60 किग्रा) राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं और वह अपने खेल से प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे।

अरूंधति को पहले दौर में बाय मिला है जबकि नुपूर के भारवर्ग में चार ही मुक्केबाज हैं। वह, पूजा रानी और स्वीटी बूरा सीधे फाइनल खेलेंगी क्योंकि उनके भारवर्ग में तीन ही मुक्केबाज हैं। पुरुष वर्ग में भारत का विश्व चैंपियनशिप अभियान निराशाजनक रहा और उम्मीदें प्रतिभाशाली अभिनाश जामवाल और हितेश गुलिया से होंगी, जो इस वर्ष के शुरू में दो विश्व कप फाइनल में पहुंचे थे।